उत्तर प्रदेश शासन द्वारा विज्ञापन मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र

सच का साथी..

बी पी एस न्यूज

www.bpsnews.in

(वर्ष-8 अंक -21)

पृष्ठ 8 मूल्य 2/रुपया

सोमवार 26 जून ,2023

सेंट्रल से हटाई गई महापूर्वजों की प्रतिमाएं | **भगवान शिव बने युवक को गले में लटके सांप ने काटा** | **मां की दोस्त ने बचपन में नूतन को कहा था बदसूरत**

न्यूज संक्षिप्त

आकाशीय बिजली की चपेट में आने से एक श्रमिक की मौत, 12 झुलसे

जौनपुर। जिले के थाना खेतासराय क्षेत्र स्थित ग्राम पोराई कलां में शनिवार शाम तालाब की खुदाई कर रहे मजदूरों पर हल्की बारिश के दौरान आकशीय बिजली गिर गई। हादसे में एक मजदूर की मौके पर ही मौत हो गई और 12 अन्य झुलस गए। अधिकारियों ने बताया कि झुलसे मजदूरों को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सोंधी ले जाया गया जहां से चार लोगों को गंभीर हालत के चलते जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। हादसे की खबर पाकर मौके पर क्षेत्रीय विधायक और प्रदेश सरकार के राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गिरीश चन्द्र यादव भी पहुँचे। उपजिलाधिकारी शाहगंज शैलेंद्र कुमार ने बताया कि खेतासराय थाना क्षेत्र के पोराई कलां गांव में अमृत सरोवर की खोदाई का काम चल रहा है जहां शाम करीब साढ़े चार बजे अचानक बूंदाबांदी शुरू हो गई।

जब मोदी का शोले के गाने से हुआ स्वागत

काहिरा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को मिस्र की दो दिवसीय राजकीय यात्रा पर काहिरा पहुंचे। खास गर्मजोशी दिखाते हुए मिस्र के प्रधानमंत्री मुस्तफा मैडबौली ने यहां हवाई अड्डे पर गले लगाकर उनका स्वागत किया। उन्हें 'गार्ड ऑफ ऑनर' भी दिया गया। होटल पहुंचने पर साड़ी पहने मिस्र की एक महिला ने फिल्म 'शोले' के गीत 'ये दोस्ती हम नहीं तोड़ेंगे' गाकर मोदी का स्वागत किया। प्रधानमंत्री ने उस समय हैरानी जताई, जब महिला ने कहा कि वह बहुत कम हिंदी जानती है और कभी भारत नहीं गई है। मोदी ने कहा, 'किसी को पता भी नहीं चलेगा कि आप मिस्र की बेटी हो या हिंदुस्तान की बेटी हो।' मोदी रविवार को मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल फतह अल-सिसी से मुलाकात करेंगे। वह दाऊदी बोहरा समुदाय की मदद से बहाल की गई 11वीं सदी की अल-हकीम मस्जिद भी जाएंगे। पिछले 26 वर्षों में किसी भारतीय प्रधानमंत्री की मिस्र की यह पहली यात्रा है।

रूस में निजी सेना का विद्रोह

मॉस्को। यूक्रेन के खिलाफ युद्ध में रूस का साथ दे रही निजी सेना 'वैग्नर ग्रुप' ने विद्रोह कर दिया है। वैग्नर ग्रुप प्रमुख येवेनी प्रीगोझिन के नेतृत्व में उनके लड़ाके शनिवार को यूक्रेन की सीमा पार करके रूस के रोस्तोव-ओन-दोन शहर में दाखिल हो गये। उन्होंने वहां के अहम सैन्य प्रतिष्ठानों पर कब्जे का दावा किया है। इसके बाद वैग्नर लड़ाके लिपेत्स्क प्रांत में भी घुस गये, जो मॉस्को से 360 किमी दक्षिण में है।

प्रीगोझिन ने एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें वह रोस्तोव-ओन-दोन स्थित सैन्य मुख्यालय में खड़े नजर आ रहे हैं, जहां से रूस यूक्रेन में सैन्य अभियान को संचालित कर रहा है। प्रीगोझिन ने कहा, 'जो भी रास्ते में आएगा, हम उसे बर्बाद कर देंगे। हम आगे बढ़ रहे हैं और अंतिम छोर तक जाएंगे।' हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि यह सैन्य तख्तापलट नहीं, बल्कि न्याय के लिए अभियान है। सोशल मीडिया पर जारी अन्य वीडियो में रोस्तोव की सड़कों पर टैंक सहित सैन्य वाहन दिखाई दे रहे हैं। प्रीगोझिन ने दावा किया कि उनकी सेना ने एक रूसी सैन्य हेलीकॉप्टर को मार गिराया है। उधर, रूसी अधिकारियों ने मॉस्को व आसपास 'आतंकवाद विरोधी शासन' लागू करने की घोषणा की।

भारत और मिस्र के बीच चार अहम समझौतों पर हस्ताक्षर

काहिरा । प्रधानमंत्री मोदी अमेरिका के तीन दिवसीय दौरे के बाद शनिवार को मिस्र की राजधानी काहिरा पहुंचे। उन्होंने रविवार को हेलियोपोलिस वॉर मेमोरियल और अल हाकिम मस्जिद का दौरा किया। 4 महत्वपूर्ण समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए

प्रधानमंत्री मोदी के मिस्र दौरे के दौरान 4 महत्वपूर्ण समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए। दोनों देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी पर हस्ताक्षर किए गए। इसके अलावा कृषि क्षेत्र, स्मारकों की सुरक्षा एवं संरक्षण को लेकर भी समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर हुए।

काहिरा से दिल्ली के लिए रवाना हुए पीएम मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मिस्र के काहिरा से दिल्ली के लिए रवाना हुए। अमेरिका की अपनी पहली राजकीय यात्रा के समापन के बाद

प्रधानमंत्री मिस्र की दो दिवसीय राजकीय यात्रा पर थे। विदेश सचिव विनय क्वात्रा ने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी ने सितंबर 2023 में होने वाले जी-20 शिखर सम्मेलन के लिए मिस्र के राष्ट्रपति को निमंत्रण भी दिया।

पीएम मोदी ने हेलियोपोलिस युद्ध कब्रिस्तान का दौरा किया

विदेश सचिव विनय क्वात्रा ने बताया कि आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अल-हकीम मस्जिद का दौरा किया। इसके बाद पीएम मोदी ने हेलियोपोलिस युद्ध कब्रिस्तान का दौरा किया और प्रथम विश्व युद्ध के दौरान सर्वोच्च बलिदान देने वाले भारतीय सैनिकों को श्रद्धांजलि दी। विदेश सचिव विनय क्वात्रा ने बताया कि कल प्रधानमंत्री मोदी के मिस्र पहुंचने पर मिस्र के प्रधानमंत्री मुस्तफा मैडबौली ने उनका भव्य स्वागत किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मिस्र के प्रधानमंत्री मुस्तफा मैडबौली ने कल प्रतिनिधिमंडल स्तर पर राउंडटेबल बैठक की। बैठक में रिन्यूएबल एनर्जी, ड्रग्ज, हेल्थ, इंफ्रास्ट्रक्चर क्षेत्र में द्विपक्षीय साझेदारी पर चर्चा हुई।

गीजा के महान पिरामिड पहुंचे पीएम

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मिस्र के काहिरा में गीजा के महान पिरामिड का दौरा किया। इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल फतह अल-सीसी ने काहिरा में समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

पीएम मोदी ने काहिरा में अल-हकीम मस्जिद का दौरा किया

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इन दिनों मिस्र की दो दिवसीय यात्रा पर हैं, कार्यक्रम के तहत पीएम मोदी ने रविवार को काहिरा में अल-हकीम मस्जिद का दौरा किया। अल-हकीम मस्जिद मिस्र के काहिरा में 11वीं सदी का एक महत्वपूर्ण ऐतिहासिक और सांस्कृतिक स्थल है। पीएम मोदी ने यहां मौजूद लोगों से बातचीत की और उनके फोटो भी खिंचवाई।

आईपीएस मंजिल सैनी के खिलाफ विभागीय जांच शुरू, पूछताछ के लिए लखनऊ बुलाया

लखनऊ। आईपीएस मंजिल सैनी के खिलाफ विभागीय जांच शुरू हो गई है। उन्हें बयान दर्ज कराने के लिए लखनऊ बुलाया गया है। शासन ने एडीजी इंटेलीजेंस भगवान स्वरूप को जांच अधिकारी नियुक्त किया है। यह जांच सीबीआई की सिफारिश पर हो रही है। मंजिल सैनी को वर्ष 2017 में लखनऊ में हुए श्रवण साहू हत्याकांड की जांच के दौरान सीबीआई ने मंजिल सैनी को लापरवाही के लिए दोषी पाया था।

मंजिल सैनी वर्तमान में केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर नेशनल सेक्योरिटी गार्ड्स (एनएसजी) के मुख्यालय में नई दिल्ली में डीआईजी पद पर तैनात हैं। श्रवण साहू की हत्या के समय वह लखनऊ में एसएसपी के पद पर कार्यरत थीं। लखनऊ के सआदतगंज थाना क्षेत्र के दाल मंडी के रहने वाले श्रवण साहू लगातार अपनी हत्या की आशंका जता रहे थे।

उन्होंने लखनऊ के तत्कालीन पुलिस अफसरों से सुरक्षा की गुहार लगाई थी, लेकिन उस पर ध्यान नहीं दिया। एक फरवरी 2017 को उनकी हत्या कर दी गई। वह अपने बेटे के हत्यारोपियों को सजा दिलाने के लिए कोर्ट में पैरवी कर रहे थे। इस कारण उन्हें भी जान से मार देने की धमकी दी जा रही थी। एडीजी इंटेलीजेंस भगवान स्वरूप ने इस मामले की जांच शुरू कर दी है।

अपराधी स्कूल संचालक की जब्त हुई 6 करोड़ की संपत्ति, कुर्क हुआ घर, मिल और स्कूल

लखनऊ। जिले के शिवगढ़ कस्बा के रहने वाले शातिर अपराधी एवं स्कूल संचालक सुरेंद्र सिंह की रविवार को छह करोड़ 15 लाख 27 हजार रुपये कीमत की चल-अचल संपत्ति कुर्क कर ली गई। गैंगस्टर अधिनियम के तहत गाजे-बाजे के साथ पुलिस ने कुर्की की प्रक्रिया की। जिस स्कूल संचालक की संपत्ति कुर्क की गई, वह वर्ष 2019 में हुए जिले के चर्चित आदित्यकांड के गवाह को धमकाने में शामिल था। एफआईआर दर्ज करने के बाद पुलिस ने उसके खिलाफ गैंगस्टर अधिनियम के तहत कार्रवाई की थी। हत्या के एक मामले में उसे सजा हो चुकी है। एसडीएम महराजगंज राजेंद्र कुमार शुक्ला, सीओ सदर वंदना सिंह, सीओ महराजगंज अरुण नौहवार, सदर कोतवाल संजय त्यागी और भदोखर थानेदार-विवेचक राजेश कुमार सिंह, शिवगढ़ थानेदार अरुणेश कुमार गुप्ता पुलिस बल के साथ शिवगढ़ पहुंचे। सबसे पहले पुलिस ने आरोपी शिवगढ़ निवासी सुरेंद्र सिंह का माधोखेड़ा गांव स्थित मकान, फिर कुम्हरावां स्थित स्कूल और सरायं क्षत्रधारी गांव स्थित राइस मिल में नोटिस चस्पा करते हुए कुर्क कर लिया। चर्चित आदित्यकांड में गवाह को धमकाने के मामले में स्कूल संचालक पर गैंगस्टर अधिनियम के तहत केस दर्ज हुआ था। गैंगेस्टर अधिनियम की विवेचना भदोखर थानेदार राजेश कुमार सिंह को सौंपी गई थी। जांच के बाद कुर्की की कार्रवाई की गई। स्कूल संचालक सुरेंद्र सिंह के खिलाफ सदर कोतवाली, शिवगढ़ थाने में जानलेवा हमला, हत्या, बलवा, गुंडा अधिनियम समेत 13 आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। अपराधी के खिलाफ एनएसए की कार्रवाई पहले ही हो चुकी है। विवेचक ने बताया कि स्कूल संचालक जिला कारागार में बंद है। रविवार की सुबह जिला कारागार जाकर स्कूल संचालक से कुर्की की नोटिस तामील कराई गई।

विवेचक के मुताबिक स्कूल संचालक का अपराध से गहरा नाता रहा है। कभी उसका नाम हत्या में आया तो कभी वह बलवा में शामिल रहा। सबसे ज्यादा तब वह चर्चा में आया, जब वह जिले के चर्चित डीफार्मा छात्र आदित्य प्रताप सिंह की हत्या में गवाहों को धमकाना शुरू कर दिया। पुलिस ने इस मामले को गंभीरता से लिया।

असम में 18 करोड़ रुपये मूल्य के मादक पदार्थ जब्त

गुवाहाटी। असम के गुवाहाटी और कामरूप जिले में रविवार को मणिपुर के दो लोगों के पास से बरामद 18 करोड़ रुपये मूल्य का मादक पदार्थ जब्त करने के बाद दोनों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने यह जानकारी दी। एसटीएफ के उपमहानिरीक्षक पार्थ सारथी महंत ने बताया कि मणिपुर स्थित एक समूह द्वारा असम में मादक पदार्थों की खेप लेकर आने की सूचना मिलने के बाद पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया था। उन्होंने कहा रविवार की सुबह विशेष सूचना मिली कि तस्करों का समूह एक लक्जरी वाहन में मादक पदार्थ की खेप लेकर आ रहा है। महंत ने कहा, ''तस्करों के वाहन का पता लगाया गया और कामरूप जिला पुलिस के साथ एसटीएफ की टीम ने वाहन का पीछा किया।

हजारों महिलाएं आई ऑपरेशन के खिलाफ में, सुरक्षा बलों को छोड़ने पड़े 12 उग्रवादी

मणिपुर में इन दिनों हिंसा जारी है। इसी बीच सुरक्षा बलों को उग्र भीड़ से निपटना काफी भारी पड़ रहा है। इम्फाल में ऐसा ही कुछ माहौल देखने को मिला जब सुरक्षा बलों के तलाशी अभियान को स्थानीय महिलाओं ने ही रोक दिया। इस अभियान को रोक कर महिलाओं ने 12 उग्रवादियों को भी छुड़ाने में सफलता हासिल कर ली है।

गौरतलब है कि मणिपुर में जारी हिंसा के बीच स्थानीय लोग भी सैन्य बलों और अर्धसैनिक बलों के विरोध में उतर रहे है। इसी बीच शनिवार को बड़ी संख्या में इकट्ठी हुई महिलाओं ने सुरक्षा बलों को घेर लिया जिससे सुरक्षा बलों को अपना तलाशी अभियान रोकना पड़ा। इसके साथ ही विरोध के चलते सुरक्षा बलों को 12 उग्रवादियों को भी छोड़ना पड़ा। इन उग्रवादियों को सुरक्षा बलों ने तलाशी अभियान के दौरान पकड़ा था। जानकारी के मुताबिक मणिपुर के इथम गांव में सुरक्षा बलों द्वारा तलाशी अभियान चलाया जा रहा था। इस अभियान को देखते हुए स्थानीय विद्रोही समूह के 12 गिरफ्तार उग्रवादियों को छोड़ने के लिए मजबूर होना पड़ा था। स्पीयर कॉर्प्स ने भी इसकी जानकारी सोशल मीडिया पर दी और बताया कि ऑपरेशन इस तरह से विफल हुआ था। स्पीयर्स कॉर्प्स के मुताबिक इलाके में 1200-1500 महिलाओं ने भीड़ में एक साथ पहुंचकर उन्हें घेरा और उग्रवादियों को मुक्त करवाया इंफाल ईस्ट के इथम गांव में महिलाओं के नेतृत्व वाली भीड़ और सुरक्षा बलों के बीच गतिरोध के बाद सेना ने नागरिकों की जान जोखिम में न डालने का ''परिपक्व फैसला'' लिया और बरामद किए गए हथियारों व गोला-बारूद के साथ वहां से हट गई।

राममंदिर के लिए विदेशी भक्त भी कर सकेंगे दान, अभी दान पात्र से ही हर महीने मिल रहे 60-70 लाख रुपये

अयोध्या। विदेश में रहने वाले रामभक्त भी अब जल्द ही राममंदिर निर्माण के लिए निधि समर्पण कर पाएंगे। श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट नवंबर तक विदेशी दान लेने में सक्षम हो जाएगा। ट्रस्ट की ओर से एफसीआरए में पंजीकरण का आवेदन पहले ही किया जा चुका है।

ट्रस्ट ने राममंदिर निर्माण के लिए वर्ष 2021 में निधि समर्पण अभियान चलाया था। पूरे देश में चले इस अभियान में मंदिर निर्माण के लिए रामभक्तों ने करीब 3500 करोड़ का दान किया था। उस समय विदेशी रामभक्त मंदिर निर्माण के लिए निधि समर्पण नहीं कर पाए थे, क्योंकि ट्रस्ट विदेशी दान लेने में सक्षम नहीं था। जब तक गृहमंत्रालय की ओर से ट्रस्ट का पंजीकरण एफसीआरए (विदेशी अंशदान विनियमन अधिनियम) के तहत नहीं हो जाता, तब तक ट्रस्ट विदेशी श्रद्धालुओं से सहयोग राशि स्वीकार करने में असमर्थ है। श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के कार्यालय प्रभारी प्रकाश गुप्ता बताते हैं कि आए दिन विदेशी भक्तों का फोन निधि समर्पण करने की मंशा से आता है, लेकिन जब उन्हें मना किया जाता है तब वे निराश हो जाते हैं। बताया कि अब विदेशों में रहने वाले रामभक्तों को जल्द ही निधि समर्पण करने की सुविधा मिल सकेगी।

ट्रस्ट ने एफसीआरए में पंजीकरण के लिए आवेदन कर दिया है, उम्मीद है कि नवंबर तक पंजीकरण हो जाएगा। पंजीकरण होते हुए भक्त राममंदिर के लिए अपना अंशदान दे सकेंगे। बताया कि इसके लिए नई दिल्ली स्थित स्टेट बैंक पार्लियामेंट स्ट्रीट शाखा में खाता भी खोला जा चुका है। विदेशी दान इस खाते में स्वीकार किया जाएगा।- श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के कार्यालय प्रभारी प्रकाश गुप्ता ने बताया कि मंदिर निर्माण के लिए हर माह करीब 1.5 करोड़ का दान आ रहा है। बताया कि गर्भगृह में रखे दानपात्र से हर माह औसतन 60 से 70 लाख का चढ़ावा प्राप्त हो रहा है। इसी तरह ट्रस्ट कार्यालय व दर्शनमार्ग पर बने काउंटर पर हर करीब डेढ़ से दो लाख की नकदी आ रही है। ऑनलाइन माध्यमों सहित चेक, आरटीजीएस के जरिए भी भक्त दिल खोलकर दान दे रहे हैं। इसके अलावा भारी मात्रा में सोने-चांदी का दान भी भक्तों द्वारा किया जाता है।

दिन और रात के लिए अलग-अलग बिजली दर-उपभोक्ता परिषद बोली- ये तुगलकी फैसला, देशव्यापी संघर्ष की तैयारी

लखनऊ । केंद्र सरकार की ओर से दिन और रात के लिए अलग-अलग बिजली दर लागू करने के फैसले का विरोध शुरू हो गया है। उपभोक्ता परिषद ने इसे तुगलकी फरमान बताते हुए मोर्चा खोल दिया है। देश के अन्य उपभोक्ता संगठनों को एकजुट कर नियामक आयोग से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक याचिका दायर करने की तैयारी है।केंद्र ने विद्युत उपभोक्ता अधिकार नियम 2020 में संशोधन के माध्यम से बिजली टैरिफ प्रणाली में दो बदलाव पेश किए हैं। इसमें दिन और रात की बिजली दर में अंतर रहेगा। यह कानून एक अप्रैल 2025 से लागू करने की तैयारी है। इससे दिन में 10 से 20 प्रतिशत सस्ती और रात में 10 से 20 प्रतिशत महंगी बिजली दी जाएगी।यूपी में विद्युत नियामक आयोग ने घरेलू और उद्योगों के लिए अलग टैरिफ लागू कर रखा है। उपभोक्ता संगठनों की नेशनल को-ऑर्डिनेशन कमेटी के अध्यक्ष व राज्य उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा ने कहा कि घरेलू उपभोक्ता अपने कुल उपभोग का 30 प्रतिशत दिन में 70 प्रतिशत रात में उपभोग करते हैं। इस कानून के जरिये दो रुपया का फायदा दिखाकर पांच रुपये वसूलने की तैयारी है। उन्होंने बताया कि इस मुद्दे पर केंद्रीय ऊर्जा सचिव आलोक कुमार से बात की गई है। उनका कहना था कि यह नेशनल पॉलिसी है। वर्मा ने कहा कि ऊर्जा सचिव को बता दिया गया है कि उपभोक्ताओं का अहित करने वाली किसी भी पॉलिसी को लागू नहीं होने दिया जाएगा।केंद्र सरकार के संशोधित कानून की जानकारी मिलते ही उपभोक्ता संगठन एकजुट होने लगे हैं। शनिवार को नेशनल को-ऑर्डिनेशन कमेटी के अध्यक्ष अवधेश वर्मा ने विभिन्न राज्यों के संगठनों के साथ वर्चुअल बैठक की। इसमें तय हुआ कि सभी देश के सभी उपभोक्ता परिषद अपने-अपने राज्य के नियामक आयोग में याचिका दायर करेंगे।

सभी देशवासियों को बी पी एस न्यूज परिवार की ओर से

ईदुल अजहा की तहेदिल से मुबारकबाद

सम्पादक-बी.पी. साहू

8423454502 9335908846

बी पी एस न्यूज लेटेस्ट खबरें पढ़ने व देखने के लिए लॉगिन करें

www.bpsnews.in

संपादकीय

खतरा मंडराता हुआ

ऐसे वक्त में जब पूरी दुनिया में ग्लोबल वार्मिंग का संकट गहरा रहा है और पर्यावरण अनुकूल विकास को वक्त की प्राथमिकता बताया जा रहा है, हिमाचल कैबिनेट का हालिया फैसला एक आत्मघाती कदम ही कहा जायेगा। शिमला के पारिस्थितिकीय तंत्र के लिये घातक साबित हो सकने वाले इस कदम के रूप में हिमाचल कैबिनेट ने शहर की 414 एकड़ में फैली हरित पट्टियों में निर्माण गतिविधियों का रास्ता खोल दिया। जिस पर दशकों तक पर्यावरणीय हितों के मद्देनजर नियामक संस्थाओं ने रोक लगा रखी थी। दरअसल, शीर्ष अदालत के एक फैसले के बाद मंगलवार को शिमला विकास योजना का मसौदा अधिसूचित कर दिया गया। हालांकि, शीर्ष अदालत के फैसले के अनुरूप अधिसूचना के एक माह तक दस्तावेजों को लागू न करने की बात कही गई है। इस मामले में अगली सुनवाई बारह जुलाई को होनी है। निस्संदेह, ये इलाके शिमला की जनता को प्राणवायु का संचरण करते हैं। दूसरे शब्दों में इन्हें पहाड़ों की रानी कहे जाने वाले शिमला के फेफड़े कहा जा सकता है। पहले ही शिमला क्षमता से अधिक आबादी का बोझ झेल रहा है। बढ़ती आबादी के साथ ही लाखों पर्यटकों का दबाव अलग से है। पेयजल से लेकर पार्किंग जैसी तमाम समस्याएं सामने खड़ी हैं। निस्संदेह, ग्रीन बेल्ट पर निर्माण से शहर में कंक्रीट का एक ऐसा जंगल उग आएगा जो शहर का दम घोट सकता है। इसमें दो राय नहीं ग्रीन बेल्ट के बाबत इस फैसले से निर्माण गतिविधियों में अप्रत्याशित वृद्धि होगी। कहने को तो एक मंजिल तक निर्माण की अनुमति की बात कही जा रही है लेकिन कानून के छिद्रों को तलाशने वाले लोग निस्संदेह, इसका अतिक्रमण करेंगे। वहीं निहित स्वार्थों में लिप्त राजनीति इसके दूरगामी परिणामों को गंभीरता से लेने की कोशिश कभी नहीं करती। यदि सत्ताधीश दूरगामी खतरों को समय रहते भांप लेते तो शिमला के भविष्य से खिलवाड़ नहीं करते। लेकिन सत्ताधीशों की प्राथमिकता तात्कालिक हित ही होते हैं। उनकी कोशिश वर्ग विशेष को संतुष्ट करने की होती है।उल्लेखनीय है कि शिमला के पर्यावरण की रक्षा के मद्देनजर वर्ष दो हजार में इन ग्रीन बेल्टों को नो-कंस्ट्रक्शन जोन घोषित किया गया था। दरअसल, विशेषज्ञों और पर्यावरण प्रभावों के अध्ययन के निष्कर्षों का समर्थन करते हुए नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल के फैसले तथा हिमाचल प्रदेश उच्च न्यायालय ने तब से इस पर लगाये गये प्रतिबंध को बरकरार रखा था। इसमें दो राय नहीं कि राज्य में रियल एस्टेट लॉबी की इस फैसले को बदलवाने में बड़ी भूमिका रही है। वहीं दूसरी ओर इन ग्रीन बेल्टों में मुख्य संपत्ति के मालिकों ने इस मुद्दे को लंबे समय तक कानूनी लड़ाई में उलझाये रखा था। अफसोस की बात है कि एक के बाद एक आने वाली सरकारों का झुकाव रियल एस्टेट मालिकों की तरफ होता चला गया। निस्संदेह, रियल एस्टेट लॉबी की प्राथमिकता अपना आर्थिक हित ही होता है। उनकी प्राथमिकता शहर के अस्तित्व की परवाह करना कदापि नहीं हो सकता। दूसरा पहलू यह भी है कि भूमि मालिकों की मंशा भी इस कीमती जमीन से आर्थिक लाभ कमाना ही होगा।

इस समस्या का एक सरल समाधान यह भी हो सकता था कि सरकार ग्रीन बेल्ट की जमीन को खरीद ले।

जागरूकता से सत्ताधीशों की निरंकुशता पर नकेल

इसमें कोई दो राय नहीं कि इस तरह के तूफान से हानि तो होनी ही है पर जनहानि को न्यूनतम रखा जाना किसी भी सरकार की सबसे बड़ी सफलता मानी जा सकती है। यह साफ हो जाना चाहिए कि कुदरती आफत को रोका तो नहीं जा सकता पर पूर्व व योजनावद्ध तैयारी से हानि को कम से कम स्तर पर लाया जा सकता है। बिजली की खंभे गिर जाना, टीन टप्पर उड़ जाना, पेड़ गिर जाना आदि नुकसान तो होना ही है पर नुकसान को कम से कम स्तर पर लाना और तात्कालिक राहत की सभी व्यवस्थाएं समय पर सुनिश्चित करना बड़ी सफलता माना जाना चाहिए। हांलाकि अब गुजरात और राजस्थान में तेज बरसात का दौर चल गया है।

स्वतंत्र भारत के इतिहास में 25 जून को एक काले अध्याय की शुरुआत के रूप में याद किया जाता है। अड़तालीस साल पहले इसी दिन भारत में आपातकाल की घोषणा की गयी थी। कारण यह बताया गया था कि समाजवादी नेता जयप्रकाश नारायण के नेतृत्व में देश के विरोधी दल, भारत की शांति-व्यवस्था को भंग करने पर आमादा हैं। न तब इस कथित कारण को देश की जनता ने स्वीकारा था और न अब यह बात आसानी से जनता के गले उतर सकती है कि विपक्ष ने शासन-व्यवस्था के खिलाफ ऐसा वातावरण बना दिया था कि देश में अराजकता फैलाने का खतरा था। निश्चित रूप से 25 जून, 1975 को भारत के इतिहास में एक ऐसा काला अध्याय लिखा गया था जिसने जनतांत्रिक मूल्यों-आदर्शों की धज्जियां उड़ा दी थीं। आज भी कांग्रेस पार्टी तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की इस 'भूल' का खमियाजा भुगत रही है। आज भी कांग्रेस-विरोधी दल, जिनमें वर्तमान सत्तारूढ़ दल प्रमुख है, आपातकाल के नाम पर कांग्रेस को कटघरे में खड़ा करते रहते हैं। हालांकि कांग्रेस यह दावा कर सकती है कि इंदिरा गांधी ने घोषणा के उन्नीस माह बाद ही आपातकाल हटा कर और चुनाव करवा कर, अपनी भूल को ठीक करने का प्रयास किया था, लेकिन इस सच्चाई से मुंह नहीं मोड़ा जा सकता कि 1975 में आपातकाल की घोषणा ने जनतांत्रिक भारत के इतिहास में एक काला अध्याय लिखा था।सवाल उठता है कि तत्कालीन प्रधानमंत्री ने ऐसा कदम उठाना क्यों ज़रूरी समझा? क्या सचमुच तब देश में ऐसी अराजकता की स्थिति उपस्थित हो गयी थी कि आपातकाल घोषित करना ज़रूरी हो गया? आपातकाल के समर्थन में तर्क तब भी दिए गये थे, यहां तक कि महात्मा गांधी के अनन्य शिष्य विनोबा भावे तक ने इसे 'अनुशासन पर्व' का नाम देकर इस अजनतांत्रिक कार्रवाई को समर्थन दिया था। लेकिन देश की जनता ने ऐसे किसी भी तर्क को नहीं स्वीकारा। लगभग दो साल के आपातकाल के बाद हुए चुनावों में इंदिरा गांधी को शर्मनाक हार का सामना करना पड़ा। यह बात दूसरी है कि तब बनी जनता पार्टी की सरकार ज़्यादा समय तक टिक नहीं पायी थी, पर इस परिवर्तन ने यह अवश्य दिखा दिया था कि तानाशाही तौर-तरीकों से यह देश नहीं चलाया जा सकता। इंदिरा गांधी को हराकर जनता पार्टी को जिता कर, और फिर जल्दी ही जनता पार्टी की सरकार की जगह इंदिरा गांधी की सरकार को अवसर देकर देश की जनता ने यह बता दिया था कि देश जनतांत्रिक मूल्यों और परंपराओं के अनुरूप ही चल सकता है। तानाशाही, भले ही वह किसी भी रूप में हो, देश की जनता को स्वीकार्य नहीं है।

अब यह एक खुला रहस्य है कि 1975 में इंदिरा गांधी ने कथित अराजकता का मुकाबला करने के लिए आपातकाल लागू नहीं किया था। सत्ता में बने रहने की लालसा ने ही उन्हें तब यह घोर अजनतांत्रिक कदम उठाने के लिए बाध्य किया था। इस कार्रवाई के पीछे कहीं न कहीं यह भावना भी काम कर रही थी कि जनता इंदिरा गांधी के 'चमत्कारी व्यक्तित्व' से भी सम्मोहित है। पर शायद उनकी खुशफहमी ही थी। जनतांत्रिक मूल्य इस देश की सहज मानसिकता में अंतर्निहित हैं। तानाशाही तरीकों से यह देश नहीं चलाया जाना चाहिए, न ही चलाया जा सकता। बहरहाल, आपातकाल के बाद बनी जनता पार्टी की सरकार ने संविधान में उचित और आवश्यक संशोधन करके ऐसी व्यवस्था कर दी थी कि फिर कोई शासक सत्ता के मोह में पड़कर आपातकाल लागू करने जैसी बात न कर सके। लेकिन यह खतरा तो हमेशा बना ही रहेगा कि कोई शासक अपनी लोकप्रियता के भ्रम में तानाशाही रवैया अपनाने के लालच में पड़ जाये। इसलिए ज़रूरी है कि हर 25 जून को देश की जनता आपातकाल को याद करे, जनतांत्रिक भारत के इतिहास के उस काले अध्याय के संदर्भ में चिंतन करे कि क्यों और कैसे कोई शासक तानाशाही रवैया अपनाने के लालच में पड़ सकता है। जो शासक जितना लोकप्रिय होता है वह स्वयं को उतना ही ताकतवर भी समझ सकता है और यह समझ उसे तानाशाही तौर-तरीके अपनाने का अवसर दे सकती है। ऐसे में किसी शासक को यह भ्रम होना भी मुश्किल नहीं है कि वह तो ग़लती कर ही नहीं सकता, कि जनता उसकी गलतियों को ज़्यादा तरजीह नहीं देगी।जनतांत्रिक व्यवस्था में ऐसी स्थिति का आना खतरनाक है। नागरिकों की जागरूकता ही इस खतरे से बचने का तरीका है। वैसे तो चुनाव के अवसर पर इस जागरूकता को परखा जा सकता है, पर जैसे कि डॉ. राम मनोहर लोहिया ने कहा था, 'जिंदा कौमें पांच साल तक इंतजार नहीं करती', यह ज़रूरी है कि जनता में जागरूकता अनवरत बनी रहे। इंतजार न करने का मतलब यही है कि जनता चौकन्नी रहे। मतदाता का काम वोट देकर किसी को सिंहासन पर बिठाना ही नहीं है, उसे यह भी लगातार देखते रहना होता है कि उसका चुना हुआ शासक सत्ता की अपनी ताकत का शिकार तो नहीं हो रहा।वर्ष 1975 में देश में आपातकाल लागू किया गया था जो 1977 तक चला। ये अर्सा सत्ता के आतंक की कथा सुनाता है। उस दौरान वह सब कुछ एक तानाशाही मानसिकता का शिकार हो गया था, जो जनतांत्रिक मूल्यों से जुड़ा होता है। यह बात हमेशा याद रखनी होगी कि सत्ता का मोह और सत्ता की ताकत शासक को ग़लत काम करने के लिए लालायित भी कर सकती है। यहीं इस बात को भी रेखांकित किया जाना ज़रूरी है कि जनतंत्र में निर्वाचित नेता शासक नहीं होता और जनता प्रजा नहीं होती। निश्चित रूप से 25 जून, 1975 को भारत के इतिहास में एक ऐसा काला अध्याय लिखा गया था जिसने जनतांत्रिक मूल्यों-आदर्शों की धज्जियां उड़ा दी थीं। आज भी कांग्रेस पार्टी तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की इस 'भूल' का खमियाजा भुगत रही है। आज भी कांग्रेस-विरोधी दल, जिनमें वर्तमान सत्तारूढ़ दल प्रमुख है, आपातकाल के नाम पर कांग्रेस को कटघरे में खड़ा करते रहते हैं। हालांकि कांग्रेस यह दावा कर सकती है कि इंदिरा गांधी ने घोषणा के उन्नीस माह बाद ही आपातकाल हटा कर और चुनाव करवा कर, अपनी भूल को ठीक करने का प्रयास किया था, लेकिन इस सच्चाई से मुंह नहीं मोड़ा जा सकता कि 1975 में आपातकाल की घोषणा ने जनतांत्रिक भारत के इतिहास में एक काला अध्याय लिखा था निस्संदेह, निर्वाचित नेता हमारा प्रतिनिधि होता है। प्रतिनिधि को अपनी मर्यादाओं का ध्यान रखना चाहिए और जनता को यह अहसास बना रहना चाहिए कि जिसे उसने चुना है वह उच्छृंखल न हो जाये। इसका एकमात्र तरीका मतदाता की सतत जागरूकता है। यह जागरूकता ही किसी आपातकाल की मानसिकता के खतरे से जनतंत्र को बचाये रख सकती है।

बराक ओबामा की मानसिकता बेहद घटिया , बनने चले रायचंद ..!

अब तक रायचंद केवल भारत की राजनीति में पाए जाते थे वो भी ऐसे ही फर्जी सेक्युलर जिन्हे देश के हित से कुछ लेना देना नही उन्हे बस अपनी राजनीतिक रोटियां सेंकनी होती थी ।अब ऐसे रायचंद भारत समेत कई देशों में थोक के भाव मिल रहे इन्ही में से एक रायचंद है अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा जिनके नाम के उच्चारण में ही ओसामा जैसी फीलिंग आती है ।ये महाशय ताजा ताजा रायचंद बने है और इस्लाम के नए नवेले तलबगार बन कर अमेरिका की छवि धूमिल कर रहें ।पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा ने कहा है कि अगर उनकी बात भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से होती तो वे मुस्लिम अल्पसंख्यकों की हिफ़ाज़त का ज़िक्र जरूर करते ।महाशय ओबामा आपने यह जिक्र 9/11 के वक्त क्यों नहीं किया ..! ओबामा ने कहा कि दुनिया के बेहतर भविष्य के लिए अमेरिकी नेताओं को रास्ता खोजने होंगे मगर कैसा रास्ता यह नहीं बताया और अब स्वांग रच रहे अल्पसंख्यक हितैषी होने का ।

उल्लेखनीय है कि विख्यात अमेरिकी जर्नलिस्ट क्रिस्चियन अमनपोर ने ओबामा से सवाल किया, राष्ट्रपति बाइडन ने डिफेन्सिव डेमोक्रेसी को अपने प्रशासन का केंद्र बनाया हुआ है और ये वो वक्त है जब दुनिया में इस्लामिक मुल्कों में लोकतंत्र ख़तरे में है, इसे तानाशाहों और तानाशाही से चुनौती मिल रही है, अनुदार लोकतंत्रों से भी इसे चुनौती मिल रही है ।बाइडन चीनी राष्ट्रपति को तानाशाह कहते हैं! इसके बाद पीएम मोदी की अमेरिका यात्रा की ओर इशारा करते हुए अमनपोर ने पूछा बाइडन इस वक्त अमेरिका में मोदी का स्वागत कर रहे हैं , जिन्हें ऑटोक्रेटिक या फिर अनुदार डेमोक्रेट माना जाता है ।किसी राष्ट्रपति को ऐसे नेताओं के साथ किस तरह से पेश आना चाहिए?भारत और मोदी पर पूछे गए सवाल पर जवाब देते हुए पूर्व राष्ट्रपति ओबामा ने कहा, हिंदू बहुसंख्यक भारत में मुस्लिम अल्पसंख्यकों की सुरक्षा काबिले-ज़िक्र है अगर मेरी मोदी से बात होती तो मेरा तर्क होता कि अगर आप (नस्लीय) अल्पसंख्यकों के अधिकारों की सुरक्षा नहीं करते हैं तो मुमकिन है कि

पंकज कुमार मिश्रा (जौनपुर)

ये महाशय ताजा ताजा रायचंद बने है और इस्लाम के नए नवेले तलबगार बन कर अमेरिका की छवि धूमिल कर रहें । पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा ने कहा है कि अगर उनकी बात भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से होती तो वे मुस्लिम अल्पसंज्यकों की हिफ़ाज़त का ज़िक्र जरूर करते । महाशय ओबामा आपने यह जिक्र 9/11 के वक्त ज़्यों नहीं किया ..!

भविष्य में भारत में विभाजन बढ़े. ये भारत के हितों के विपरीत होगा!

वैसे आपको बता दे की जब कोई राजनीतिक व्यक्ति ऐसी ऊलूल जुलुल बाते मीडिया से कहता है तो आप मान लीजिए की उसके दिमाग में सेक्युलरिज्म का लोचा है और वह कूटनीति में घिसा हुआ मोहरा रहा है ।अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा ने अपने इंटरव्यू में चीन में वीगर मुसलमान अल्पसंख्यकों के लिए बनाए गए कैंम्पों का ज़िक्र किया और इसे चिंताजनक ट्रेंड बताया! भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस वक्त के राजकीय दौरे पर हैं और व्हाइट हाउस में राष्ट्रति जो बाइडन ने उनका स्वागत किया है. वहीं अमेरिकी यात्रा का विरोध अमेरिका की कई संस्थाओं और एमनेस्टी इंटरनेशनल ने भी मोदी की अमेरिका यात्रा पर सख़्त और तल्ख टिप्पणियां की हैं! एमनेस्टी इंटरनेशनल यूएसए ने एक बयान जारी कर कहा है कि इस यात्रा के दौरान अमेरिका और भारत को दोनों देशों में मानवाधिकार मामलों की ख़राब हालत पर बात करनी चाहिए और इस आशय का पत्र 75 अमेरिकी सत्तरूढ डेमोक्रेटिक पार्टी के सेंटर्स ने राष्ट्रपति बइडन को लिखा !उन्होंने अपने चिट्ठी में कहा है कि भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 9 साल के शासन में भारत में मानवाधिकार उल्लंघन के मामलों में वृद्धि हुई है ।

इसमें धार्मिक अल्पसंख्यकों के ख़िलाफ़ हिंसा भी शामिल हैं! बीते कुछ सप्ताह से देश के पूर्वोत्तर राज्य मणिपुर में जारी हिंसा का असर भी मोदी की यात्रा के दौरान दिखा है और अमेरिका में मणिपुर मूल के नागरिकों ने व्हाइट हाउस के सामने मोदी के विरोध में धरना प्रदर्शन किया और मोदी वापस जाओ के नारे लगाए जबकि सच्चाई कुछ और है यह नारे लगाए नही लगवाए गए हैं ।अमेरिका में भारतीय मूल के कुकी और मैतेई प्रवासियों ने मणिपुर हिंसा के ख़िलाफ़ मोदी का विरोध अमेरिका में कई स्थानों पर भी किया !

कोलिशन फ़ॉर रीक्लेमिंग इंडियन डेमोक्रेसी (सीआरआईडी) ने स्टेट डिनर और अमेरिकी संसद के संयुक्त सदन में भाषण का मौक़ा देकर पीएम मोदी को वैधता प्रधान करने के लिए राष्ट्रपति जो बाइडन के ख़िलाफ़ प्रदर्शन का ऐलान किया है ।सीआरआईडी अमेरिका में रह रहे हिंदू, मुस्लिम, इसाई, दलित आदि समूहों का एक नागरिक संगठन है. सीआरआईडी ने एक बयान जारी कर कहा, हम मोदी के मानवाधिकार रिकॉर्ड, धार्मिक आज़ादी, लोकतांत्रिक गिरावट और नागिरक समाज, आलोचकों और प्रेस के ख़िलाफ़ उत्पीड़न की ओर ध्यान आकर्षित करना चाहते हैं!।इस विरोध प्रदर्शन को कोलिशन फ़ॉर रीक्लेमिंग इंडियन डेमोक्रेसी 'सेव इंडिया फ़्रॉम हिंदू सुप्रिमेसी' के नाम से आयोजित किया गया !भारत में पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा के इंटरव्यू से बौखलाए बीजेपी ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा है कि लगता है वो (ओबामा) भी मिस्टर मोदी के ख़िलाफ़ अंतरराष्ट्रीय षड्यंत्र का हिस्सा हैं? मोदी समर्थक कई अमोरिकी लोगों ने भी सोशल मीडिया के माध्यम से बराक ओबामा की आलोचना की है ।

भोजपुरी फिल्म 'दोस्ती और प्यार' 30 जून को रिलीज़ होगी

गोल्डेन सनराइज प्रोडक्शन के बैनर तले रणविजय सिंह द्वारा निर्मित भोजपुरी फिल्म 'दोस्ती और प्यार' 30 जून को रिलीज होगी। त्रिलोकी चौधरी के कलात्मक निर्देशन व सिनेमेटोग्राफी से सजी इसफ़िल्म के गीत बब्लू सिंह व क्रांति सिंह ने लिखे हैं जिन्हें संगीतबद्ध किया है ओम प्रकाश व चंदन पोद्धार ने। फ़िल्म के लेखक क्रांति सिंह, एक्शन डायरेक्टर श्रवण कुमार, नृत्य निर्देशक प्रीतम अधिकारी व मनोज वरुण, एडिटर राम यादव व विजय पॉल, आर्ट डायरेक्टर विजय गुप्ता, प्रोडक्शन मैनेजर कपील, डिजाइनर प्रशांत और प्रचारक संजय भूषण पटियाला हैं।

इस फिल्म का पोस्ट प्रोडक्शन रुचि फिल्म्स व अर्थ एम्पायर स्टूडियो में हुआ है। पिछले दिनों धनबाद (झारखंड) में आयोजित एक भव्य समारोह में इस फिल्म का पोस्टर व ट्रेलर जारी किया जा चुका है। झारखंड की धरती से जुड़ी इस भोजपुरी फिल्म के मुख्य कलाकार राजू सिंह अनुरागी, मोंटी बाबा, आनंद मोहन, विनोद मिश्रा, अयाज खान, इश्तियाक अहमद, तनुश्री संजय मिश्रा और अमरजीत आदि हैं।

प्रस्तुति : काली दास पाण्डेय

सत्ताधारी दल के लिए शब्द बहुत लोकप्रिय हुए हैं इमरजेंसी या आपातकाल

इलेक्ट्रॉनिक मीडिया और प्रिंट मीडिया के कारण यह शब्द आज हर गाँव कस्बे तक पहुँच गया है। भले ही

उन्हें आपातकल के बारे में सही जानकारी नहीं हो। बैंकों का राष्ट्रीयकरण, प्रिवी पर्स की समाप्ति, बांग्लादेश की आजादी जैसे कामों के बावजूद ऐसा क्या हुआ जो देश के लोकप्रिय नेता के मन में डर बैठ गया और उन्हें आपातकाल लगाना पड़ा। 12 जून, 1975 को इलाहबाद हाई कोर्ट के जज जगमोहन लाल सिन्हा द्वारा एक फैसला सुनाया जाता है, यह कोई आम फैसला नहीं था, इसने सत्ता के गालियारों में खलबली मचा दी थी। यह देश के तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गाँधी के खिलाफ सुनाया गया ऐतिहासिक फैसला था।इस फैसले ने यह साबित कर दिया कि न्यायलय सबके लिए समान है इंदिरा गाँधी को अदालत में रायबरेली लोकसभा सीट में धांधली का दोषी करार दिया था। उच्य न्यायलय ने अपना फैसला सुनाते हुए चुनाव को रद्द कर दिया तथा जन प्रतिनिधि कानून के तहत 6 साल तक चुनाव लड़ने के लिए अयोग्य ठहरा दिया था। इसी के ठीक 13 दिन बाद 25 जून, 1975 को भारतीय संविधान का अनुच्छेद 352 का प्रयोग करते हुए देश में आपातकाल की घोषणा की गई। हाई कोर्ट के फैसले के खिलाफ इंदिरा गाँधी सुप्रीम कोर्ट गई, 24 जून को कोर्ट ने उन्हें आंशिक राहत दी। सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि वह सदन की कार्यवाही में भाग ले सकती हैं, लेकिन वोटिंग में शामिल नहीं हो सकती। इन सबके बीच पूरे देश में उग्र आंदोलन शुरू हो गया। देश की नजर बिहार पर लगी हुई थीं, क्योंकि बिहार में यह आंदोलन लोकनायक जय प्रकाश नारायण के नेतृत्व में अपने चरम पर था। 25 जून को दिल्ली के रामलीला मैदान में जयप्रकाश नारायण की रैली में उन्होंने इंदिरा गाँधी पर लोकतंत्र का गला घोटने का आरोप लगाया और दिनकर की कविता सिंहासन खाली करो कि जनता आती है का नारा बुलंद किया।आपातकाल के दौरान समाचार पत्र लोगों के लिए एकमात्र माध्यम था। हजारों पत्रकारों को जेल में डाल दिया गया। उस समय के तत्कालिक सूचना एवं प्रसारण मंत्री इंद्र कुमार गुजराल ने जब संजय गाँधी के आदेश को मानने मना कर दिया तो उन्हें कैबिनेट से बाहर निकाल दिया गया। संजय गाँधी के आदेश पर देश भर में नशबंदी कार्यक्रम की शुरुआत युद्ध स्तर पर हुई, जिसमें कांग्रेस कार्यकर्ता को नसबंदी करवाने का लक्ष्य दिया जाता था। सरकार द्वारा देशतोड़क गति अर्थात दमन का रास्ता अपना लिया गया। 1976 ई. में लगभग 35000 लोगों को जेल भेजा गया और इसके अतिरिक्त जन आंदोलन के तहत 65,000 सत्याग्राहियों को भी जेल में बंद किया गया। इन पर अस्थिरकारी, देशतोड़क आरोप भी लगाए गए।लोकतंत्र में जनता सर्वोपरी होती है, इस बात को इंदिरा गाँधी को मानना पड़ा। 21 मार्च, 1977 को आपातकाल हटा लिया गया और आपातकाल खत्म होते ही चुनाव की घोषणा हुई, जिसका खामियाजा इंदिरा गाँधी को भुगतना पड़ा। इंदिरा गाँधी अपनी सीट से चुनाव हार गई। कांग्रेस को दिल्ली, बिहार, उत्तरप्रदेश, पंजाब, हरियाणा में एक सीट भी नहीं मिली। केंद्र में पहली बार गैरकांग्रेसी प्रधानमंत्री मोरारजी देसाई बने। आज के समय में भारत जैसे पूज्य और सार्वभौमिक लोकतंत्र में कोई भी यदि इमरजेंसी जैसी परिस्थिति की बात करते हैं तो वह भूल जाते हैं कि वो उसी आंदोलन से निकल कर आज माननीय बने हैं। समाज में फैले तनाव और कई स्थानों पर खड़े हुए कानून व्यवस्था के प्रति समाधान के रूप में कुछ लोग आपातकाल लगना चाहिए ऐसी भी उड़ी उड़ी बातें करते हैं। अब विडंबना यह है कि उनमें से कुछ लोग ऐसे भी हैं जिन्होंने ट्ठ1975-77 का आपातकाल भुगता है। अत: हमें यह भी समझ लेना चाहिए कि आपातकाल के खिलाफ संघर्ष ने सिद्ध किया है कि शांति पूर्ण आंदोलनों के द्वारा तानाशाही सत्ता को भी अपदस्थ किया जा सकता है।साथियों बात अगर हम यूसीसी को समझने की करें तोयूनिफॉर्म सिविल कोड का मतलब है, भारत में रहने वाले हर नागरिक के लिए एक समान कानून होना, चाहे वह किसी भी धर्म या जाति का क्यों न हो, यानी हर धर्म, जाति, लिंग के लिए एक जैसा कानून अगर सिविल कोड लागू होता है तो विवाह, तलाक, बच्चा गोद लेना और संपत्ति के बंटवारे जैसे विषयों में सभी नागरिकों के लिए एक जैसे नियम होंगे। समान नागरिक संहिता लागू करना सत्ता पक्ष पार्टी के के चुनावी घोषणापत्र का हिस्सा रहा है। उन्होंने हाल ही में कर्नाटक विधानसभा चुनाव से पहले समान नागरिक संहिता का वादा किया था। उधर, उत्तराखंड जैसे राज्य अपनी समान संहिता तैयार करने की प्रक्रिया में हैं।तत्कालीन कानून मंत्री ने दिसंबर 2022 में राज्यसभा में लिखित जवाब में कहा था कि समान नागरिक संहिता को सुरक्षित करने के प्रयास में राज्यों को उत्तराधिकार, विवाह और तलाक जैसे मुद्दों को तय करने वाले व्यक्तिगत कानून बनाने का अधिकार दिया गया है।सुप्रीम कोर्ट में दायर हलफनामे में केंद्र ने साफ कहा था कि संविधान के चौथे भाग में राज्य के नीति निदेशक तत्व का विस्तृत ब्यौरा है जिसके अनुच्छेद 44 में कहा गया है कि सभी नागरिकों के लिए समान नागरिक संहिता लागू करना सरकार कादायित्व है। अनुच्छेद 44 उत्तराधिकार, संपत्ति अधिकार, शादी, तलाक और बच्चे की कस्टडी के बारे में समान कानून की अवधारणा पर आधारित है।अत:अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि यूनिफॉर्म सिविल कोड का आगाज़ ङ्क कंसल्टेशन प्रक्रिया शुरू।लॉ कमीशन द्वारा मान्यता प्राप्त धार्मिक संस्थानों, आम नागरिकों के विचार सुझाव दर्ज़ कराने 30 दिनों का समय दिया।

सपना तिवारी (दिल्ली विश्वविद्यालय)

अपनी समस्या हमें बतायें

आपके साथ या आपके आस-पास कोई घटना, दुर्घटना, भ्रष्टाचार, जुर्म हुआ है या उत्पीड़न हुआ है अथवा आपके क्षेत्र की समस्या है और आपकी समस्या जायज है तो आपकी समस्याओं के समाधान हेतु सज़्बन्धित उच्च अधिकारियों एवं शासन-प्रशासन तक पहुंचाने के लिये बी पी एस न्यूज आपके साथ है। आपकी खबर शत् प्रतिशत प्रकाशित की जायेगी। एवं आपका नाम व नज़्बर आपके अनुसार प्रकाशित या पूर्णतया गुप्त रखा जायेगा।

दिये गये नज़्बर पर काल करें या हमें ई मेल करें।

फोन नं.- 9335908846, bps.knp786@gmail.com

आवश्यक सूचना

प्रिय ग्राहकों/विज्ञापनदाताओं को सूचित किया जाता है कि बी.पी.एस. न्यूज समाचार पत्र में नगद भुगतान की व्यवस्था नहीं है। कृपया चेक/डी.डी. बी पी एस न्यूज के नाम से ही चेक आदि भेजें। नगद भुगतान की व्यवस्था नहीं है। नगद भुगतान करने पर विज्ञापनदाता स्वयं जिज़्मेदार होंगे।

-सज़्पादक

आवश्यकता है

बी पी एस न्यूज राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक, साप्ताहिक समाचार पत्र व ऑनलाइन न्यूज चैनल (पोर्टल) के लिये समस्त तहसीलों एवं ज़्लाक स्तर पर ज़्यूरो चीफ, संवाददाताओं, छायाकार तथा विज्ञापन प्रतिनिधियों युवक-युवतियों की आवश्यकता है।

सज़्पर्क करें -:

मो.: 8423454502, 9335908846

email:bps.knp786@gmail.com

विधानसभा अध्यक्ष ने आगंतुकों को संतुष्ट कर कराई शीघ्र कार्यवाही

बीपीएस न्यूज

कानपुर। उत्तर प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने कानपुर कैम्प कार्यालय पर जनता दरबार लगाकर जनता दर्शन कार्यक्रम में कानपुर नगर व आसपास के लोगों की समस्याएं सुनी, इस दौरान पीआरओ आशीष शर्मा शानू, मीडिया प्रभारी बीडी राय, आगंतुकों को सहानुभूति पूर्वक विधानसभा अध्यक्ष से मुलाकात करा समस्या निराकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे थे, तो वही सतीश महाना ने कानपुर के विभिन्न स्थानों से आए लोगों से भेंट कर उनकी समस्याओं को सुना एवं संबंधित विभाग के अधिकारियों को त्वरित निस्तारण हेतु निर्देशित किया, भाजपा युवा मोर्चा अध्यक्ष अंकित गुप्ता, पीके शुक्ला प्रवीण, पी एस पांडे, आलोक तिवारी बाबा आदि विभिन्न भाजपा कार्यकर्ताओं ने विधानसभा अध्यक्ष से मुलाकात की, सतीश महाना ने भाजपा नेताओं को स्नेह आशीर्वाद दिया।

सतीश महाना ने सुनी समस्याओं का संबंधित अधिकारियों को निस्तारण हेतु किया निर्देशित

कानपुर। उत्तर प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने कैम्प कार्यालय लाल बंगला पर जनता दरबार लगाकर जनता दर्शन कार्यक्रम में कानपुर नगर व आसपास के लोगों की समस्याएं सुनी, इस दौरान पीआरओ आशीष शर्मा शानू, मीडिया प्रभारी बीडी राय, आगंतुकों को सहानुभूति पूर्वक विधानसभा अध्यक्ष से मुलाकात करा समस्या निराकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे थे, तो वही सतीश महाना ने कानपुर के विभिन्न स्थानों से आए लोगों से भेंट कर उनकी समस्याओं को सुना एवं संबंधित विभाग के अधिकारियों को त्वरित निस्तारण हेतु निर्देशित किया।

ग्रामीणों ने किए बूथ, सेक्टर, प्रभारियों को नियुक्त

कल्याणपुर महाराजपुर विधानसभा को 4 सेक्टरों में बांटा

बीपीएस न्यूज

कानपुर। समाजवादी पार्टी कानपुर नगर ग्रामीण कार्यालय में लोकसभ चुनाव 2024 की पदाधिकारियों, सेक्टर प्रभारी व बूथ प्रभारियों की बैठक हुई ! कानपुर नगर बृहस्पतिवार समजवादी पार्टी कानपूर ग्रामीण कर्यालय एक 1नवीन मार्केट में सेक्टर प्रभारियों बूथ प्रभारियों पदाधिकारियों को जोन में बाट कर कमेटी गठित करने का आदेश दिया कार्यक्रम की अध्यक्षता मुनींद्र शुक्ला तथा संचालन महासचिव जीतेन्द्र कटियार द्वारा किए गया कार्यक्रम में अपने भाषण में जिला अध्यक्ष मुनींद्र शुक्ला ने कहा की आज से प्रत्येक पदाधिकारी एवम कार्यकारणी सदस्य अपने बूथ से लेकर सेक्टर व ब्लॉक स्तर पर संगठन को मज़बूत करने के लिए जुट जाय 2024 का चुनाव देश और संविधान को बचाने का चुनाव हैं जनता इनके कारनामों से तरसत हैं पिछड़ा, अतिपिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक, किसान, नवजवान सभी का उत्पीड़न किया जा रहा हैं मुख्य रूप से उपाध्यक्ष मगन सिंह भदौरिया, महासचिव जितेंद्र कटियार, कोषाध्यक्ष सुरेंद्र गुप्ता, अनिल सोनकर, योगेश वर्मा, विजय यादव, रघुनाथ सिंह, रनजीत सिंह तोमर, कर्मवीर यादव, मंजीत यादव, विनय यादव, अर्चना रावल, असलम, रज़िया बेगम, नियाज़ सिद्दीकी, सुनील मांझी, अधिवक्ता योगेश वर्मा आदि लोग उपस्थित रहे !

ऑनलाइन ठगी करने वाले गिरफ्तार

बीपीएस न्यूज

कानपुर। ऑनलाइन फ्रॉड करने वाले तीन शातिर अभियुक्तों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। ठगी के इस गैंग में अन्य सदस्य भी शामिल हैं। जिनकी तलाश में पुलिस जुटी हुई है। ठग ऑनलाइन के माध्यम से एलआईसी में बढ़ा हुआ बोनस दिलाने का लालच लोगों को देकर उनसे ठगी करते थे। शहर के नवादा थाना क्षेत्र के अंतर्गत व्यापारी से एलआईसी में बोनस के नाम पर 1 करोड़ रुपए से अधिक की ऑनलाइन ठगी कर ली। पुलिस ने पकड़े गए अभियुक्तों के खिलाफ विधिक कार्रवाई की है।प्रभारी निरीक्षक जगदीश प्रसाद पांडे ने बताया कि एलआईसी से बढ़ा हुआ बोनस का लालच देकर व्यापारी से ऑनलाइन ठगी की गई थी। जिसमें नौबस्ता थाना पुलिस ने 3 शातिर अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। इस मामले में गैंग में शामिल अन्य सदस्य व एक महिला सदस्य अभियुक्तों की तलाश में पुलिस जुटी हुई है।उन्होंने बताया कि साइबर सेल इस मामले में पुलिस के साथ जांच में जुटी हुई थी। जिसमें खुलासा हुआ है कि अभियुक्त गण एक गिरोह बनाकर लोगों को फोन करते थे। लोगों को पैसों का लालच देकर नई-नई स्कीम में फंसाते थे। इसी तरह से नौबस्ता के अंतर्गत हंसपुरम में रहने वाले ईश्वर चंद शर्मा से भी एलआईसी से बढ़ा हुआ बोनस दिलाने के नाम पर ठगी की गई। जिसमें 1,14,15890 रुपए की ऑनलाइन ठगी कर ली गई। जिसके माध्यम से अभियुक्त ने अपने और अपने साथियों के अकाउंट में ऑनलाइन के जरिए पैसे ट्रांसफर कर दिए। पकड़े गए अभियुक्तों में कुलदीप हापुड़ जिले का रहने वाला है। रोहित कुमार गाजियाबाद का रहने वाला है। सचिन बंसल गाजियाबाद का रहने वाला है। इनके पास से 20,210 रुपए नकद एटीएम कार्ड, 7 मोबाइल फोन और तीन की-पैड मोबाइल के साथ एक कार बरामद की गई है।

मनमाना आय प्रमाण पत्र जारी करने के विरोध में राष्ट्रीय विकलांग पार्टी ने एस.डी.एम. को सौंपा ज्ञापन

बीपीएस न्यूज

कानपुर। राष्ट्रीय विकलांग पार्टी ने उप जिलाधिकारी सदर को ज्ञापन देकर आमदनी के अनुसार दिव्यांगजनो का आय प्रमाण पत्र बनवाने की मांग की है। तहसील सदर में गरीब, बेरोजगार दिव्यांगजनो का आय प्रमाण पत्र उनकी आमदनी के अनुसार बनाने की बजाय लेखपाल घर बैठे मनमाने ढंग से बिना जांच के आय प्रमाण पत्र बना रहे है। जिसकी वजह से दिव्यांगजनो को सरकारी योजनाओं का लाभ नहीं मिल पा रहा है। आय से अधिक आय प्रमाण पत्र की वजह से बहुत से दिव्यांगजन पेंशन, दुकान संचालन, कृतिम अंग योजना का लाभ नहीं उठा पा रहे है। इसी प्रकार आसरा आवास व वृद्धा पेंशन योजना की जांच रिपोर्ट लम्बे समय से तहसील से नहीं भेजी गयी है। जबकि डूडा कार्यालय ने सात माह पूर्व आवेदको की लिस्ट व समाज कल्याण कार्यालय ने दो वर्ष पूर्व जांच के लिए तहसील सदर को भेजी थी। तहसील के बाबू पत्रावली दबाये बैठे है। जिससे दिव्यांगजन व वृद्ध व्यक्ति परेसान हो रहे है। राष्ट्रीय विकलांग पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव वीरेन्द्र कुमार ने आय प्रमाण पत्र गरीबी रेखा से नीचे बनवाने, आसरा आवास व वृद्धा पेंशन की जांच करवा कर डूडा कार्यालय व समाज कल्याण कार्यालय तत्काल भिजवाने की मांग की है। उपजिलाधिकारी अभिनव गोपाल ने सभी मामलों में कार्यवाही का आस्वाशन दिया है आज ज्ञापन देने वालों में राष्ट्रीय महासचिव वीरेन्द्र कुमार, अल्पना कुमारी, पुष्पेन्द सिंह, जितेन्द्र गुप्ता, गौरव कुमार, अर्जुन कुमार, आशा पाण्डेय, दिलिप कुमार, कमलेश कुमार सिंह आदि शामिल थे।

जिला सहकारी बैंक के निदेशक घोषित

बीपीएस न्यूज

कानपुर। जिला सहकारी बैंक लिमिटेड कानपुर के सामान्य निर्वाचन बैंकों की प्रबंध कमेटी के सदस्यों के नामांकन 18 जून को हुआ था जिसमें 12 क्षेत्रों से 14 संचालकों के निर्वाचन होना था जिसमें घाटमपुर अनुसूचित जाति जो रिक्त रह गई थी और कल्याणपुर निर्वाचन क्षेत्र जिसमें कल्याणपुर शिवराजपुर चौबेपुर ब्लाक आते हैं । उसमें रवि शंकर दीक्षित शिव मोहन सिंह चंदेल शशि चंदेल सत्येंद्र सिंह द्वारा नामांकन किया गया जिसमें निर्वाचन अधिकारी राजेश कुमार उप जिला अधिकारी सदर ने 3 पर्चो की कमी पाई और उन्हें रद्द कर दिया जिला प्रशासन द्वारा चाक-चौबंद व्यवस्था कर रखी थी कई थानों की फोर्स लगी थी प्रशासनिक अधिकारी थोड़ी थोड़ी देर में चक्कर लगा रहे थे जिसमें सभी जिला सहकारी बैंक के प्रबंध समिति के सदस्यों को निर्विरोध घोषित आज किया गया शिवदयाल सिंह परिहार बिधनू, कंचन सिंह अकबरपुर क्षेत्र ,श्री रामेंद्र सचान डेरापुर क्षेत्र, रवि शंकर दीक्षित कल्याणपुर क्षेत्र, हर्षवर्धन सिंह एड. वृत्तिक क्षेत्र , सुरेश चंद्र वैश्य वृत्तिक क्षेत्र , सुगंधा सिंह वृत्तिक क्षेत्र अनिल कुमार सचान अमरोहा क्षेत्र कुणाल गौरव कानपुर नगरी क्षेत्र, बिंदु मिश्रा बिल्हौर क्षेत्र, सुधा देबी मैंथा क्षेत्र व राजेश सिंह संदलपुर क्षेत्र तथा राणा प्रेम बहादुर सिंह सरसौल क्षेत्र से आज चुनाव अधिकारी द्वारा निर्विरोध निर्वाचित घोषित किए गए अध्यक्ष उपाध्यक्ष के निर्वाचन वास्ते बड़ी गहमागहमी है तो कुछ निदेशक यह चाहते हैं कि उपाध्यक्ष कानपुर देहात का बनाया जाए यह बड़ी गहमागहमी चल रही है और यह भी लोगों की इच्छा है कि अगर अध्यक्ष सवर्ण हो तो उपाध्यक्ष पिछड़ी जात का बनाया जाए जिसका निर्णय कल किया जाएगा उक्त निर्वाचन कार्यक्रम समय पर सहकारिता के खाटी नेता सुरेश गुप्ता, जिला सहकारी फेडरेशन के चेयरमैन अजय प्रताप, नया बाजार के निवर्तमान चेयरमैन गंगाराम शर्मा ,आदित्य तिवारी उपाध्यक्ष नया बाजार ,अनुराग दुबे निदेशक जिला सहकारी फेडरेशन सहित सहकारिता जगत के काफी लोग मौजूद थे!

मोहम्मद असलम बनाए गए सपा ग्रामीण के जिला सचिव

कानपुर। समाजवादी पार्टी कानपुर ग्रामीण अध्यक्ष मुनींद्र शुक्ला के नेतृत्व में मोहम्मद असलम की कार्यकुशलता को देखते हुए जिला सचिव का पद दिया गया है मोहम्मद असलम ने कहा कि 2024 के लोकसभा चुनाव में अखिलेश यादव के हाथों को मजबूत कर लोकसभा की सीट पर जीत का परचम लहराएंगे !उपाध्यक्ष मगन सिंह भदौरिया, महासचिव जितेंद्र कटियार, कोषाध्यक्ष सुरेंद्र गुप्ता, अनिल सोनकर, योगेश वर्मा, विजय यादव, रघुनाथ सिंह, कर्मवीर यादव, मंजीत इत्यादि रहे!

खरीफ में प्याज बोएं, पायें आर्थिक लाभः डॉ राम

बीपीएस न्यूज

कानपुर। सीएसए के कुलपति डॉक्टर आनंद कुमार सिंह द्वारा जारी निर्देश के क्रम में आज सब्जी अनुभाग कल्याणपुर के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ राम बटुक सिंह ने किसानों के लिए खरीफ प्याज की वैज्ञानिक खेती विषय पर जानकारी दी है। उन्होंने कहा कि किसान भाई प्याज की नर्सरी जून अंतिम सप्ताह तक अथवा देर की अवस्था में जुलाई के प्रथम सप्ताह तक डाल सकते है।

उन्होंने बताया कि प्याज एक नकदी फसल है। जिसमें विटामिन सी, फास्फोरस आदि पौष्टिक तत्व प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं ।प्याज का उपयोग सलाद, सब्जी, अचार एवं मसाले के रूप में किया जाता है। उन्होंने बताया कि हमारे देश में रबी एवं खरीफ दोनों ऋतुओ में प्याज उगाया जाता है। डॉ सिंह ने बताया कि प्याज शीतोष्ण जलवायु की फसल है। हल्के मौसम में इसकी अच्छी उपज प्राप्त की जा सकती है।उन्होंने बताया कि प्याज के अच्छे विकास के लिए 13 से 24 डिग्री सेंटीग्रेड तापमान एवं 70त्न आर्द्रता की आवश्यकता होती है। प्याज के लिए दोमट एवं जलोढ़ मिट्टी जिसमें पर्याप्त कार्बनिक मात्रा एवं उचित जल निकास की सुविधा हो उचित रहती है।उन्होंने बताया कि प्याज की नर्सरी के लिए जून का महीना सर्वोत्तम होता है।एक हेक्टेयर प्याज की नर्सरी के लिए 8 से 10 किलोग्राम बीज पर्याप्त होता है। डॉ सिंह ने खरीफ की बुवाई हेतु उन्नतशील प्रजातियों के बारे में बताया कि एन-53,एग्रीफाउंड डार्क रेड, भीमा सुपर, भीमा रेड, भीमा राज, भीमा शुभ्रा और अर्का कल्याण और अर्का निकेतन प्रमुख उन्नतशील प्रजातियां हैं। उर्वरकों के प्रबंधन हेतु उन्होंने बताया कि 250 कुंतल सड़ी हुई गोबर की खाद, 120 किलोग्राम डीएपी, 100 किलोग्राम यूरिया, 25 किलोग्राम जिंक सल्फेट तथा 50 किलोग्राम बेंटोनाइट सल्फर प्रति हेक्टेयर रोपाई के पूर्व खेत में मिला दें। उन्होंने किसानों को सलाह दी है कि यदि ब्याज की वनस्पति की वृद्धि कम हो तो 19ग्19ग्19 पानी में घुलनशील उर्वरक 15, 30 एवं 45 दिनों बाद 200 लीटर पानी में घोलकर छिड़काव कर दें। प्याज की फसल रोपाई के 90 से 120 दिन बाद परिपक्व हो जाती है ।तब खुदाई कर ले। उन्होंने कहा कि यदि किसान भाई वैज्ञानिक विधि से प्याज की खेती करते हैं तो एक हेक्टेयर क्षेत्रफल में औसतन 300 से 350 कुंतल प्याज की उपज प्राप्त होगी ।जिससे किसान भाइयों को लाभ होगा।

एचआईवी रिपोर्ट आते ही मरीज को भगाया

कानपुर। कार्डियोलॉजी हॉस्पिटल में मरीज की रिपोर्ट जैसे ही एचआईवी पॉजिटिव आई तो डॉक्टर ने डिस्चार्ज कर दिया। तीमारदारों का आरोप है कि जूनियर डॉक्टरों ने सीनियर से मिलने तक नहीं दिया। उन्होंने कहा कि पहले एचआईवी का का इलाज कराओ। इसके बाद उन्हें लेकर आना। वहीं, घर पर मरीज की हालत अब दिन पर दिन बिगड़ती जा रही है। तीमारदार, कार्डियोलॉजी के डॉक्टरों के चक्कर काट काटकर परेशान हो चुका हैं। अपने मरीज की जान बचाने के लिए तिमारदार डॉक्टरों से विनती कर रहे हैं।बर्रा सी ब्लॉक निवासी 62 वर्षीय बुजुर्ग कि सीने के पास एक नस ब्लॉक है। इसके चलते उनके पैरों में खून का दौड़ान नहीं हो पा रहा है। अब उनका पैर पंजे की तरफ से सड़ना शुरू हो गया है। तीमारदारों ने बताया कि 11 जून को उन्होंने कानपुर मेडिकल कॉलेज में दिखाया था, जहां से डॉक्टरों ने कार्डियोलॉजी के लिए रेफर कर दिया।

व्यापारियों के अड्डो पर आईटी का छापा मचा हड़कंप

कानपुर। दिल्ली एनसीआर, लखनऊ, कानपुर, कोलकाता में छापेमारी, कई जगहों पर आयकर विभाग की छापेमारी जारी, ज्वैलर्स, बुलियन व्यापारियों के ठिकानों पर आईटी का छापा, कानपुर में कई जगहों पर आईटी की छापेमारी जारी, राधामोहन पुरुषोत्तम दास ज्वैलर्स पर छापेमारी की फीलखाना थाना क्षेत्र के बिरहाना रोड पर भी छापा, एमराल्ड गार्डन हाउसिंग के प्रमोटर पर भी छापा, संजीव, झुनझुनवाला के 17 ठिकानों पर छापेमारी जारी, कानपुर नगर में संजीव झुनझुनवाला एक बड़ा नाम है कंपनी ने एमराल्ड गुलिस्तान, एमराल्ड चैम्बर बनाए हैं झुनझुनवाला की कंपनी है मॉर्निंग ग्लोरी इंफ्रा, रितु हाउसिंग, कानपुर के नयागंज में वागला बिल्डिंग में भी छापा, चांदी व्यापारी मुन्ना जाकोड़िया पर भी आईटी की रेड, कानपुर के जुगल किशोर ज्वैलर्स पर भी छापेमारी जारी,लखनऊ में भी कई जगह इनकम टैक्स का छापा, कई ज्वैलर्स कारोबारियों पर इनकम टैक्स का छापा, महानगर,अमीनाबाद,चौक के कई ज्वैलर्स पर छापा, महानगर में रिद्धि ज्वैलर्स पर आईटी का छापेमारी, आज सुबह 6 बजे 3 गाड़ियों से पहुंची हैं। टीम , रिद्धि ज्वैलर्स के कानपुर के ठिकाने पर भी छापा मारा गया।

कलेक्ट्रेट सभागार में हुई बिजली से संबंधित संयुक्त बैठक

कानपुर। जिलाधिकारी विशाख जी0 एवं प्रबंध निदेशक, दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम लि0 की उपस्थिति में कलेक्ट्रेट सभागार में विद्युत से संबंधित संयुक्त बैठक संपन्न हुई। जिसमें विद्युत विभागों से संबंधित विभिन्न बिंदुओं जैसे की विद्युत आपूर्ति में आ रही कठिनाइयों को दूर करने हेतु भारत सरकार की रिवेम्प योजना के तहत कार्यवाही करने एवं आबादी के अनुसार सभी घरों में कनेक्शन ना होने के कारण जीवन स्तर में सुधार करने हेतु घर-घर कनेक्शन किए जाने की कार्य योजना की विस्तृत समीक्षा करने के साथ-साथ वाणिज्यिक मापदंडों की भी समीक्षा की गई।

बैठक में उपस्थित समस्त संबंधित विभागों के अधिकारियों एवं अभियंताओं को निम्न निर्देश दिए गए जनपद में आवासित परिवारों का स्वयं सहायता समूहों, विद्युत सखी, पंचायत सहायकों आदि के द्वारा विद्युत कनेक्शन कराए जाने पर माध्यम से ग्राम पंचायतवार सर्वे कराया जाएगा, जिससे आवासित परिवारों द्वारा किये जा रहे विद्युत उपयोग का प्रकार अथवा विद्युत उपयोग न कर रहे परिवारों का डेटा संग्रह करके जो परिवार विद्युत का उपयोग वैधानिक तरीके से नहीं कर रहे हैं उन्हें प्रेरित करके विद्युत कनेक्शन दिया जाएगा । स्वयं सहायता समूहों, विद्युत सखी, पंचायत सहायकों आदि के द्वारा विद्युत कनेक्शन कराए जाने पर प्रोत्साहित राशि ?100 प्रति कनेक्शन दिया जाएगा । यह धनराशि कनेक्शन होने के उपरांत तत्काल अधिशासी अभियंता द्वारा निर्गत की जाएगी एवं घर-घर कनेक्शन दिए जाने से ना केवल विद्युत चोरी पर विराम होगा अपितु यह आवासीय परिवारों के जीवन स्तर में सुधार लाएगा ।इस सर्वे के दौरान किसी प्रकार की अनियमितता पाए जाने पर दंडात्मक कार्यवाही न करते हुए विद्युत कनेक्शन प्रदान किया जाएगा तथा जिन परिवारों पर पहले से विद्युत चोरी की एफ आई आर दर्ज है तथा उनके ऊपर राजस्व निर्धारित हो चुके हैं, उन्हें भी मात्र एक घोषणा पत्र पर हस्ताक्षर करके विराम प्रदान कर दिया जाएगा ।उपरोक्त सभी कनेक्शन ऑनलाइन माध्यम से विद्युत विभाग के झटपट पोर्टल से कराए जाएंगे एवं सभी विद्युत विभाग के अधिकारी इस पर तत्काल कार्यवाही करते हुए न्यूनतम समय में कनेक्शन जारी करेंगे। विद्युत चोरी में विराम लगाए जाने हेतु उक्त के अतिरिक्त रिवेम्प योजना में लाइन हानियों को कम करने के लिए प्रबंध निदेशक, दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड द्वारा अवगत कराया गया कि भारत सरकार द्वारा 90.46 करोड़ रूपए स्वीकृत हो चुके हैं जिस पर त्वरित गति से धरातल पर कार्य प्रारंभ हो गया है। विद्युत आपूर्ति में सर्वांगीण सुधार हेतु नवीनीकरण योजना के अंतर्गत 124 करोड़ रुपए प्राविधानित किया गया है।

आफत की बारिश ने ली दो की जान

बीपीएस न्यूज

कानपुर। दो दिन से हो रही लगातार बारिश से पहले ही दुश्वारियों बहुत थी। ऐसे में नगर निगम की लापरवाही एक की जिंदगी पर भारी पड़ गयी। वहीं, घाटमपुर के राठिगांव के बंबा में बाइक समेत युवक का शव पड़ा मिला है। पुलिस ने डूबने से मौत की आशंका जताई है। जबकि परिजनों ने हत्या का आरोप लगाया है ।जूही खलवा पुल में एक युवक की मौत हो गई।

जूही थाना प्रभारी ने बताया कि तेज बारिश के चलते 21 जून की रात को जूही खलवा पुल के अंडरपास में पानी भर गया था। खास बात यह है इसी खलवा पुल के जलभराव के लिये पांच साल पूर्व नगर निगम ने दस लाख रूपये फूंक दिये थे। सोमवार शाम से हो रही बारिश बुधवार को दुश्वारियों में तजब्दील हो गयी। पूरे शहर में जलभराव होने के साथ कई स्थानों पर गली मोहल्ले टापू बन गये तो वहीं खलवा पुल एक बार फिर खलवा पुल नहर में बदल गया।

बुधवार की पूरीरात हुई बारिश के बाद सुबह पानी कम हुआ तो एक बाइक समेत 28 साल के युवक का शव बरामद हुआ। युवक पीठ पर जोमेटो का बैग टांगे हुआ था। जांच पड़ताल के दौरान उसके पास कुछ भी ऐसा नहीं मिला जिससे शिनाख्त हो सके।

युवक के दाहिने हाथ पर चरन सिंह गुदा हुआ है। पुलिस युवक की शिनाख्त कराने का प्रयास कर रही है ।जूही खलवा पुल पर डिलीवरीमैन की डूबकर मौत होने के साथ ही दो कारें भी डूब गई थीं। कार सवार लोगों ने कार छोड़कर किसी तरह अपनी जान बचाकर बाहर निकले। सुबह पानी कम हुआ तो कार को क्रेन की मदद से बाहर निकाला जा सका।

जूही रेलवे पुल के नीचे बारिश के जलभराव से युवक की डूब कर मौत

कानपुर ।बीती रात मूसलाधार बारिश होने के कारण जूही ढाल स्थित रेलवे पुल के नीचे भारी जलभराव होने के कारण दो कार फंस गई थी .एक अज्ञात पुरुष का शव उम्र करीब 28 वर्ष जूही ढाल रेलवे पुल के नीचे पानी में डूबा हुआ मिला है संभव है कि डूबने से मृत्यु हो गई. है पुलिस ने पंचायत नामा भरकर अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है . मृतक की पहचान कराने का प्रयास किया जा रहा है. उक्त घटनास्थल के पास एक मोटरसाइकिल बजाज डिस्कवर लाल रंग रजिस्ट्रेशन नंबर यूपी 35 जेड 3791 खड़ी मिली है जिस पर जोमैटो कंपनी का बैग रखा हुआ है इसी के आधार पर पहचान कराने का प्रयास किया जा रहा है मृतक के दाहिने हाथ पर चरन सिंह गुदा है ।

योग करने से सभी बीमारियो से बचा जा सकता है : सतीश महाना

बीपीएस न्यूज

कानपुर। अन्तराष्ट्रीय योग दिवस पर उत्तर प्रदेश विधान सभा अध्यक्ष सतीश महाना ने राम अवतार महाना जन समुदाये केन्द्र, जाजमऊ मे योगा दिवस समारोह मनाया। उन्होने अपने सम्बोधन मे कहा कि योग करने से बीमारियो से बचा जा सकता है,हर व्यक्ति को स्वस्थ जीवन जीने के लिए योग अवश्य करना चाहिए।

एंटी करप्शन फाउंडेशन आफ इंडिया के डिस्ट्रिक्ट डायरेक्टर व समाज सेवी जग महेंद्र अग्रवाल व अग्रवाल स्टोर के चेयरमैन अरूण अग्रवाल ने उत्तर प्रदेश विधान सभा अध्यक्ष का रूपटटा पहनाकर व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया ।इसमे प्रमुख रूप से चन्द्रेश सिह, अनिल राय, पार्षद कैलाश पाण्डेय, पार्षद अशोक मेम्बर, मनोज सेगर, बलराम सिंह, रवि तिवारी, दिनेश शास्त्री, सोनू बाबा आदि लोग विशेष रूप से मौजूद रहे।

पुलिस कमिश्नरेट ने की शहरवासियों से अपील

नगर निगम और जलकर विभाग की करगुजारी पर कानपुर पुलिस कमिश्नरेट ने शहरवासियों को सावधान रहने की अपील की है। जहां भी जलभराव हो वहां सावधानी बरते और जलभराव को पार न करे कहीं भी मेनहोल खुला हो सकता है। भले ही पुलिस ने शहरवासियों की जिंदगी की चिंता करते हुए जागरूक किया हो पर स्मार्ट सिटी का सपना देख रहे नगर निगम, जल निगम को आईना भी दिखाया है। ये सभी को पता है कि पेयजल, सीवर लाइन कभी भी भ्रष्टाचार का फव्वारा बनकर फूट जाती है। ऐसे में पुलिस कमिश्नरी की यह एडवाईजरी शहर को साफ सुथरा रखने वाले दोनों विभागों को आईना दिखाती है।

तीन बोरियों में कई टुकड़ों में मिली लाश, खून देख सहमे लोग, बगल में ही है कमिश्नर आवास

बीपीएस न्यूज -कानपुर के कर्नलगंज थाना क्षेत्र में एक चौंका देने वाली घटना सामने आई है. कानपुर पुलिस आयुक्त के आवास के पास शनिवार सुबह तीन बैग में एक व्यक्ति का कई टुकड़ों में कटा शव मिलने के बाद कानपुर पुलिस हरकत में आ गयी. पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है, अभी तक शव की पहचान नहीं हो सकी है.

घटना के बारे में पूछे जाने पर पुलिस ने कहा कि बैग में खून के धब्बे नहीं थे. संभावना है कि हत्या करने के बाद शव को किसी खुले क्षेत्र में रखा गया था. हत्या के बाद शव को ठिकाने लगाया गया होगा. जिस रास्ते से बैग छोड़ा गया था, वह एक तरफ लाल इमली और दूसरी तरफ सीपी निवास तक पहुंचता है.

केडीए उपाध्यक्ष ने रेन वॉटर हार्वेस्टिंग थीम, गौतम बुद्धा एवं व्यवसायिक कॉम्पलेक्स का किया निरीक्षण

बीपीएस न्यूज

कानपुर। उपाध्यक्ष, कानपुर विकास प्राधिकरण श्री विशाख जी. द्वारा आज इन्दिरा नगर स्थित रेन वॉटर हार्वेस्टिंग थीम पार्क, गौतम बुद्धा पार्क एवं विकास नगर सिग्नेचर सिटी के समीप स्थित व्यवसायिक कॉम्पलेक्स का किया गया निरीक्षण।

रेन वॉटर हार्वेस्टिंग थीम पार्क

शहर में गिरते भू-गर्भ जल स्तर को ध्यान में रखते हुये कानपुर विकास प्राधिकरण द्वारा इन्दिरा नगर में जल संरक्षण हेतु निर्मित रेन वॉटर हार्वेस्टिंग थीम पार्क का उपाध्यक्ष श्री विशाख जी. द्वारा प्राधिकरण के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ किया गया भ्रमण।

उपाध्यक्ष महोदय द्वारा जल संरक्षण के दृष्टि से शहर वासियों के लिये अतिशीघ्र रेन वॉटर हार्वेस्टिंग थीम पार्क में लगे हुये उपकरणों की यथावश्यक मरम्मत, रंगाई-पुताई 10 दिवसों में कराकर इसे पुन: सुनियोजित ढंग से प्रारम्भ व संचालित किये जाने के दिये गये निर्देश ।उपाध्यक्ष महोदय द्वारा 03 दिवस के अन्दर उद्यान विभाग की टीम लगाकर पार्क के साफ-सफाई कराये जाने हेतु निर्देशित किया गया ।रेन वॉटर हार्वेस्टिंग थीम पार्क के विस्तृत प्रचार-प्रसार हेतु शहर में मुख्य चैराहों पर साइनेज बोर्ड लगाये जाने के दिये गये निर्देश।

गौतम बुद्धा पार्क

उपाध्यक्ष महोदय द्वारा इन्दिरा नगर स्थित गौतम बुद्धा पार्क का भ्रमण किया गया। भ्रमण के दौरान वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा बताया गया कि 35 एकड़ क्षेत्र में निर्मित पार्क को 07 एकड़ एरिया में विकसित किया गया है, जिसमें प्रतिदिन लगभग 500-600 लोगों द्वारा सुबह-शाम भ्रमण किया जाता है।

उपाध्यक्ष महोदय द्वारा गौतम बुद्धा पार्क को एडवेंचर पार्क के रूप में विकसित किये जाने हेतु योजना तैयार किये जाने के दिये गये निर्देश, जिससे गौतम बुद्धा पार्क जैसे विशाल क्षेत्रफल के पार्क में लोगों के भ्रमण हेतु आवश्यक उत्सुकता रहे व आने वाले बच्चों को मनोरंजन की एक सुविधा/विकल्प के रूप में गौतम बुद्धा पार्क विकसित हो सके।उपाध्यक्ष महोदय द्वारा गौतम बुद्धा पार्क में साफ-सफाई एवं इन्फ्रास्ट्रक्चर्स की मरम्मत कराये जाने हेतु अधिकारियों को निर्देशित किया गया।

विकास नगर स्थित व्यवसायिक कॉम्प्लेक्स/होटल (सिग्नेचर ग्रीन्स)

उपाध्यक्ष महोदय द्वारा व्यवसायिक कॉम्प्लेक्स /होटल के क्रियान्वयन के बारे में अग्रेतर कार्यवाही के सम्बन्ध में योजना तैयार कर प्रस्तुत किये जाने के निर्देश अपर सचिव/मुख्य अभियन्ता को दिये गये।

निर्माण कार्य में आ रही बाधाओं के यथाशीघ्र समाधान हेतु अंतर विभागीय समन्वय बैठक

बीपीएस न्यूज

कानपुर। जिलाधिकारी विशाख जी0 की अध्यक्षता में आज कलेक्ट्रेट सभागार में मेट्रो परियोजना के अंतर्गत जनपद में चल रहे कार्यों, निर्माणाधीन राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-91 एवं जनपद में प्रस्तावित रिंग रोड के संबंध में भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण द्वारा कराए जा रहे निर्माण कार्यों की समीक्षा एवं निर्माण कार्य मे आ रही बाधाओं के यथाशीघ्र समाधान हेतु अंतर विभागीय समन्वय बैठक संपन्न हुई। बैठक में मेट्रो परियोजना के अंतर्गत चल रहे कार्यों हेतु अन्य विभागों के साथ विभिन्न मुद्दों के समाधान के साथ-साथ राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-91 में चल रहे कार्यों की प्रगति, सर्विस रोड की मरम्मत, हाइटेंशन लाइन सिफ्टिंग, निजी भूमिओं के मुआवजा भुगतान संबंधी विवादों के निपटान की स्थिति की भी समीक्षा की गई। बैठक में उपस्थित समस्त संबंधित अधिकारियों निम्न निर्देश दिए गए जनपद में उ0प्र0 मेट्रो रेल कारपोरेशन द्वारा कराए जा रहे मैट्रो के निर्माण कार्यों में अन्य विभागों जैसे- जल निगम, जल संस्थान एवं सिंचाई विभाग के साथ आ रही समस्याओं को यथाशीघ्र दूर करने के लिए निर्देशित किया गया कि परियोजना निदेशक, मेट्रो एवं अन्य संबंधित विभाग अपने एक-एक अधिकारी को नामित कर प्रत्येक सप्ताह समन्वय बैठक का आयोजन कराएं। आईआईटी से नौबस्ता तक 23.8 कि0मी0 लंबे मैट्रो कॉरिडोर का निर्माण कार्य प्रत्येक स्थिति में नवम्बर 2024 तक पूर्ण किया जाना है। इस संबंध में कार्य को समयांतर्गत पूर्ण किया जाना सुनिश्चित किया जाए। घंटाघर से नया गंज के बीच सीयूसीएल की गैस पाइप लाइन होने के कारण मेट्रो निर्माण कार्य में उत्पन्न हो रही बाधा को दूर करने के दृष्टिगत सी0यू0जी0एल0 के प्रबंधक को निर्देशित किया गया कि एक सप्ताह के अंदर गैस पाइप लाइन को शिफ्ट कराना सुनिश्चित किया जाए। मेट्रो के कार्यों की वजह से जलापूर्ति एवं सीवर में आ रही कठिनाइयों को दूर करने के लिए प्रत्येक सप्ताह मेट्रो, जल निगम, जलकल की समन्वय बैठक आयोजित की जाए। बैठक में प्रधानाचार्य, जी0एस0वी0एम0 एवं सी0एस0ए0 के प्रतिनिधि भी मौजूद थे। सी0एस0ए0 एवं जी0एस0वी0एम0 परिसर में मेट्रो के कार्यों हेतु आवश्यक भूमि के संबंध में चर्चा कर कार्य में आ रही विभिन्न कठिनाइयों को दूर किया गया। राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-91 का अधिकांश कार्य किया जा चुका है। परियोजना निदेशक, भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण को निर्देशित किया गया कि यथाशीघ्र समस्त अवशेष कार्यों को पूर्ण कराना सुनिश्चित किया जाए। बैठक में अपर जिलाधिकारी(वित्त एवं राजस्व) राजेश कुमार अपर जिलाधिकारी (भू0अध्या0) रिंकी जायसवाल, उप जिलाधिकारी बिल्हौर रश्मि लांबा एवं परियोजना निदेशक, भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण प्रशांत दुबे के साथ-साथ अन्य संबंधित अधिकारीगण मौजूद रहे।

शिवदयाल सिंह बने जिला सहकारी बैंक के सभापति

बीपीएस न्यूज

कानपुर। जिला सहकारी बैंक कानपुर में सभापति बने शिवदयाल सिंह परिहार उपसभापति रामेंद्र नाथ सचान निर्विरोध निर्वाचित हुए जिला सहकारी बैंक लिमिटेड कानपुर में हुए सामान्य निर्वाचन सभापति उपसभापति तथा अन्य समितियों में भेजे जाने वाले प्रतिनिधियों का निर्वाचन संपन्न हुआ नामांकन के पूर्व अध्यक्ष का नाम सर्वसम्मति शिव दयाल सिंह परिहार का तो तय हो गया था परंतु उपाध्यक्ष नाम पर काफी तनाव रहा परंतु वरिष्ठ नेताओं के बीच में आ जाने से आखिरी समय पर यह तय किया गया कि यह चुनाव 2 जिलो कानपुर नगर व देहात को मिलाकर हो रहा है तो शिवदयाल सिंह परिहार जो सभापति के लिए आए हुए हैं तो वह नगर में रहते हैं तो उपसभापति कानपुर देहात का बनाया जाए इस पर आम सहमति बनी और साधन सहकारी समिति आहरियरियामऊ कानपुर देहात से आए प्रतिनिधि रामेंद्र नाथ सचान पर मोहर लगाई गई और मतदान न होकर आम सहमति से सभी निर्विरोध सभापति उपसभापति का चुनाव हुआ सभापति शिवदयाल सिंह परिहार व उपसभापति रामेंद्र नाथ सचान को चुनाव अधिकारी राजेश कुमार जिला उप जिलाधिकारी सदर कानपुर ने घोषित किया साथ ही साथ प्रतिनिधियों का भी निर्वाचन हुआ जो निर्विरोध रहे वह निम्न प्रकार है सभी सुरेश गुप्ता प्रतिनिधि दी कोऑपरेटिव टैक्सटाइल मिल बुलंदशहर, हर्षवर्धन सिंह प्रतिनिधि उत्तर प्रदेश कोऑपरेटिव बैंक लखनऊ , सरोज सिंह प्रतिनिधि उत्तर प्रदेश कोऑपरेटिव बैंक लखनऊ ,हिमांशु कुमार प्रतिनिधि उत्तर प्रदेश कोऑपरेटिव बैंक लखनऊ, शिवदयाल सिंह प्रतिनिधि न्यू नेशनल मल्टी स्टेट कोऑपरेटिव सीड सोसायटी ,राणा प्रेम बहादुर सिंह भंडारागार निगम लखनऊ , श्रवण कुमार न्यू नेशनल मल्टीस्टेट कोऑपरेटिव ऑर्गेनिक सोसायटी, कृष्ण कुमार प्रतिनिधि न्यू नेशनल मल्टी स्टेट कोऑपरेटिव एक्सपोर्ट सोसाइटी, कुणाल गौरव प्रतिनिधि उत्तर प्रदेश सहकारी संघ लिमिटेड लखनऊ , शिव शंकर कटियार प्रतिनिधि उत्तर प्रदेश उपभोक्ता सहकारी संघ लिमिटेड लखनऊ, द्य शिव मोहन सिंह प्रतिनिधि उत्तर प्रदेश विधायन एंव निर्माण सहकारी संघ लिमिटेड लखनऊ ,अजय राज कटियार प्रतिनिधि उत्तर प्रदेश श्रम निर्माण सहकारी संघ लिमिटेड लखनऊ ,यतेंद्र प्रताप सिंह प्रतिनिधि आलू विकास एवं विपणन सहकारी संघ फतेहगढ़ ,निखिल कुमार प्रतिनिधि उत्तर प्रदेश सहकारी प्रक्रिया एवं तिलहन विकास संघ लखनऊ , निशा देवी प्रतिनिधि रेशम उद्योग रवि शंकर दीक्षित प्रतिनिधि उत्तर प्रदेश कॉपरेटिव यूनियन लखनऊ निर्वाचन के समय प्रदेश उपाध्यक्ष एवं चुनाव प्रभारी देवेश कोरी ,अभिजीत सिंह सांगा विधायक ,राजेंद्र सिंह अध्यक्ष कचौंसी नगर पंचायत, पूर्व विधायक श्री रघुनंदन भदोरिया , आरके सिंह राष्ट्रीय उपाध्यक्ष करणी सेना ,विश्राम सिंह परिहार, धीरेंद्र सिंह, मलखान सिंह महामंत्री कानपुर देहात , अजय प्रताप सिंह अध्यक्ष डीसीएफ , गंगाराम शर्मा पूर्व अध्यक्ष नया बाजार, आदित्य तिवारी उपाध्यक्ष नया बाजार, संदीप बाजपेई, सत्येंद्र द्विवेदी, सत्येंद्र सिंह, राहुल सिंह ,संदीप सिंह परिहार, अवधेश सिंह, अखिलेश भदौरिया ,प्रदीप सिंह ,राजू सिंह राठौर, राम कुमार प्रधान सचेंडी, दिव्यांशु सिंह उक्त जानकारी संजय कुमार वर्मा महाप्रबंधक जिला सहकारी बैंक कानपुर ने दी।

पीड़ित महिला ने लगाई मुख्यमंत्री से न्याय की गुहार

बीपीएस न्यूज

कानपुर। कंचन शुक्ला पत्नी स्वर्गीय अजय शुक्ला, 120 / 456 लाजपत नगर कानपुर के निवासी है ये मेरे पति का पैतृक घर है इस मकान के फर्जी कागज तैयार कराकर संतोष शुक्ला (सास), जया शुक्ला (नन्द), शशक दीक्षित नंद का पति व छोटी नन्द प्रिया शुक्ला ने भू माफियाओं के साथ मिलकर जालसाजी कर विक्रय कर दिया। दिल्ली कैंसर अस्पताल में मेरे पति स्वर्गीय अजय शुक्ला की इलाज के दौरान मृत्यु हो गई उसके उपरांत जब मैं घर आई सभी लोग गायब थे और हेमप्रीत कौर पत्नी रविंद्र सिंह भाटिया आदि मेरे घर पर आए और कहने लगे कि यह मेरा घर है मैंने इसे खरीद लिया है तब मैंने थाने में प्रार्थना पत्र दिया परंतु कोई सुनवाई नहीं हुई फिर मैंने न्यायालय में मुकदमा दाखिल किया परंतु इसके बावजूद भूमाफिया पुलिस से मिलीभगत करके आए दिन धमकाते रहते हैं व क्षेत्रीय थाना अध्यक्ष और पुलिस भी उनका सहयोग करती है मेरे ऊपर कई फर्जी धाराओं में केस दायर कर दिए गए हैं अक्सर रात को पुलिस व भूमाफिया घर में घुसकर धमकी देते हैं जिसकी मैंने समस्त उच्च अधिकारियों से गुहार लगाई परंतु कोई राहत नहीं मिली ।हाई कोर्ट की रूलिंग के अनुसार किसी भवन का मामला यदि न्यायालय में विचाराधीन हो तो उस पर 145 की कार्रवाई पोषणीय नहीं होती है परंतु डीसीपी साहब ने इसकी अनदेखी करते हुए कुर्क करने का आदेश पारित कर दिया जिसका मैंने न्यायालय में रिवीजन दाखिल किया है। मुझे न्याय दिलाने की कृपा करें मेरे दो छोटे बच्चे हैं हम सब जालसाजी का शिकार होकर बेघर हो जाएंगे ।इसी चेष्टा के साथ योगी मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश सरकार तक अपनी बात पहुंचाने के लिए हम परिवार सहित धरना दे रहे हैं ताकि आप के माध्यम से हमें न्याय मिल सके।

कुलपति ने दुग्ध महा विद्यालय तथा कृषि विज्ञान केंद्रों का किया निरीक्षण

बीपीएस न्यूज

कानपुर। सीएसए के अधीन संचालित मत्स्य महाविद्यालय एवं शोध केंद्र के प्रथम भ्रमण के दौरान कुलपति डॉ0 आनंद कुमार सिंह ने प्रसन्नता जाहिर की । उन्होंने महाविद्यालय में चल रहे छात्रों के रिसर्च प्रोजेक्ट को देखा और छात्रों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि आप लोग मत्स्य छेत्र में नई नई तकनीकियों को सीख कर मत्स्य पालकों को जागरूक करें । आप मत्स्य छेत्र में रोजगार को विकसित कर और लोगों को रोजगार उपलब्ध करें । कुलपति ने मत्स्य फार्म पर निरीक्षण किया और निर्देशित किया कि महाविद्यालय के तालाबों में पाली जा रही मछलियों का क्यूआर कोड जारी कर किसानो एवं विभागों में उपलब्ध कराएं जिससे कोई भी व्यक्ति उपरोक्त प्रजाति के बारे मे जानकारी प्राप्त कर सकें।अंत में कुलपति ने अधिष्ठाता कक्ष में मत्स्य महाविद्यालय में कार्यरत शिक्षकों का परिचय प्राप्त कर निर्देशित किया कि आप लोग इसी प्रकार निष्ठा से कार्य करते हुए, छात्रों को स्टार्टअप के माध्यम से स्वरोजगार के प्रति जागरूक करें। उन्होंने कहा कि मत्स्य छेत्र में रोजगार की अपार संभावनाएं हैं।भ्रमण के अंत में महाविद्यालय अधिष्ठाता डॉ0 जे0 पी0 यादव ने कुलपति को वस्त्र अंग एवं स्मृति चिन्ह दे कर स्वागत किया। तत्पश्चात कृषि अभियंत्रण दुग्ध एवं डेयरी महाविद्यालयों के साथ कृषि विज्ञान केंद्रों का भी निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान वैज्ञानिकों को उत्कृष्ट कार्यों हेतु दिशा निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान साथ में मत्स्य महाविद्यालय के शिक्षक डॉ0 ध्रुव कुमार, डॉ0 कैलाश चंद्र, डॉ0 अरूण कुमार, अमर जीत पाल, अनिल कुमार, रोहित रंजन, एवं कृषि इंजीनियरिंग कॉलेज से अधिष्ठाता डॉ0 एन0 के0 शर्मा, दुग्ध महाविद्यालय से अधिष्ठाता डॉ0 वेद प्रकाश एवं डिप्टी रजिस्ट्रार डॉ0 पी0 के0 भदौरिया, डा.एम के सिंह सहित अन्य वैज्ञानिक साथ रहे ।

भगवान श्री कृष्ण जी की लीला अपरंपार: दीपक महाराज

बीपीएस न्यूज

कानपुर। लक्ष्मी नारायण चैरिटेबल सोसायटी के अंतर्गत संचालित सनराइज इंस्टिट्यूट ऑफ़ इंजीनियरिंग टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट कोरारी अचलगंज उन्नाव प्रांगण में चल रही श्रीमद् भागवत कथा का पंचम दिवस था जिसमें वृंदावन से पधारे पंडित दीपक महाराज ने बताया कि अगर हमारे जीवन में कभी किसी भी प्रकार का कष्ट आ जाए तो विचलित नहीं होना चाहिए क्योंकि भगवान कृष्ण का जन्म तो कारागार में हुआ था। प्रभु श्री कृष्ण का उदाहरण देते हुए महाराज ने बताया की राक्षसी पूतना तो भगवान श्री कृष्ण को मारने हेतु आई थी परंतु भगवान श्री कृष्ण जी ने पूतना का वध करके उसको सद्गति ही प्राप्त कराई। महाराज ने कहा कि हमें भगवान कृष्ण के जीवन से यह सीखना चाहिए कि यदि कोई आपका अहित भी चाहे तो भी आपको उसका अच्छा ही चाहना चाहिए। कथा में महाराज ने बताया कि गर्गा चार्य के द्वारा भगवान का नाम कृष्ण रखा गया कृष्ण शब्द का अर्थ है कि जो हमारे चित्र को अपनी ओर खींचता है वही कृष्ण है।भगवान अपने भक्तों को सुख पहुंचाने के लिए नाना प्रकार की क्रियाएं करते हैं कभी-कभी तो वह चंद्रमा की मांग करते हैं तो कभी गौशाला में जाकर गाय पकड़ने लगते हैं तो कभी दर्पण में अपनी छवि को देखकर ही मुस्कुराने लगते हैं और कभी-कभी तो स्वयं भक्त गोपी गांव के घर जाकर उनका माखन चुराया यह लीला करके भगवान समाज में जो दो वर्ग हैं उस में सामंजस्य स्थापित करने का कार्य करते हैं। जिसमें वो अमीर व्यक्ति के घर का माखन चुरा कर अपने सखा साथी ग्वाल वालों को खिलाते हैं भगवान सदैव प्रेम के बंधन में बधते हैं और भगवान स्वयं बंधन में बंद कर बंधन में बंधे हुए यमुना अर्जुन वृक्षों का उद्धार भी करते हैं। वेयर गीत के द्वारा बांसुरी की महिमा बताई गई है की जो मोन रहे एवं जब बोले तब मीठा बोले जिसमें कोई गांठ न हो वही बांसुरी कहलाती हैं।

महाराज ने बताया कि भगवान की लीला अपरंपार है भगवान ने तो खेल खेल में ही वत्तासुर, बकासुर और अच्छासुर का वध कर देते हैं तथा यमुना के जल को शुद्ध करने के लिए काली नाथ को नाथ कर उसे रमनदीप भेज देते हैं। महाराज ने गौ माता का वर्णन करते हुए सभी भक्तजनों को यह बताया कि गौ माता में सभी देवताओं का निवास होता है इसलिए स्वयं भगवान भी गौ सेवा करने के लिए गोपाल बने एवं इंद्र का अहंकार दूर करने के लिए भगवान में गिरिराज गोवर्धन का पूजन कराया तब इंद्र ने क्रोध में भरकर 7 दिन रात तक लगातार जल बरसाया तो भगवान ने गिरिराज पर्वत को धारण कर बृज की रक्षा की एवं गिरधारी कहलाए। भागवत के अंत में सभी भक्तों के द्वारा भगवान को छप्पन भोग का भोग अर्पित किया गया एवं सभी भक्तगण गिरिराज भगवान की झांसी का दर्शन किया। इस अवसर पर संस्थान के चेयरमैन सर रमेश चंद्र शुक्ला सेक्रेटरी अमित शुक्ला एवं ज्वाइंट सेक्रेट्री राजीव शुक्ला वह संस्थान के निदेशक डॉ गौरव श्रीवास्तव व समस्त स्टाफ वह आसपास ग्रामीण के श्वेता गण उपस्थित रहे।

दो ने फांसी लगाकर दी जान

कानपुर। बर्रा ईडब्ल्यूएस कॉलोनी निवासी ओम प्रकाश चतुर्वेदी के बेटे प्रिंस (18) ने गुरुवार को फांसी लगाकर जान दे दी। वह प्राइवेट नौकरी करता था। वह तीन भाइयों में बीच का था। गुरुवार को उसका शव फंदे से लटका मिला। घटना की जानकारी पर पहुंची बर्रा पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिये भेजा। परिजन आत्महत्या की वजह नहीं बता सके। वहीं पीलीभीत निवासी निरंजन कुमार की बेटी पूजा (18) कुछ दिन पहले गोविंद नगर निवासी मौसी के घर आई थी। बीती 17 जून को उसने फंदा लगाकर जान देने की कोशिश की। इसी बीच परिजनों ने देख लिया और फंदे से उतार कर अस्पताल ले गए। जहां शुक्रवार को उसकी मौत हो गई। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

आईएमए में सी.एम.ई. प्रोग्राम का आयोजन सम्पन्न

बीपीएस न्यूज कानपुर। आई0एम0ए0 कानपुर शाखा द्वारा एवं राजीव गांधी कैंसर इंस्टीट्यूट रिसर्च सेंटर न्यू दिल्ली के सहयोग से एक सी0एम0ई0 प्रोग्राम का आयोजन लॉफ्टी हाल गैजेंज क्लब, आर्य नगर कानपुर में सांय 8:00 बजे किया गया। इस सी0एम0ई0 के प्रथम वक्ता डॉ0 मुदित अग्रवाल हेड वरिष्ठ कंसलटेंट हेड एंड नेक ऑनकोलॉजी यूनिट गांधी कैंसर इंस्टीट्यूट × रिसर्च सेंटर न्यू दिल्ली ने राजीव विषय पर एवं द्वितीय वक्ता डॉ सुमित गोयल एसोसिएट डॉयरेक्टर मेडीकल ऑनकोलॉजी राजीव गांधी कैंसर इंस्टीट्यूट & रिसर्च सेंटर न्यू दिल्ली ने Approach to patient with suspected Cancer विषय पर अपने व्याख्यान प्रस्तुत किए।आई0एम0ए0 कानपुर के अध्यक्ष डा0 पंकज गुलाटी ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की तथा आये हुए सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए इन बीमारियों की गम्भीरता के विषय में बताया तथा कार्यक्रम का संचालन एवं आज के वक्ताओं का परिचय डा0 दिनेश सचान ने किया।

कृत्रिम बारिश, आईआईटी ने सफल किया परीक्षण

कानपुर। लंबे समय से क्लाउड सीडिंग के जरिए कृत्रिम बारिश के प्रयासों में लगे आईआईटी कानपुर ने बड़ी सफलता हासिल कर ली है । सेशना एयरक्राफ्ट की मदद से आईआईटी के ऊपर हवा में केमिकल पाउडर ब्लास्ट किया गया इसके बाद बारिश हुई यह परीक्षण डीजीसीए की अनुमति के बाद हुआ इस पूरे परीक्षण के इंचार्ज प्रो. मणीन्द्र अग्रवाल ने इस टेस्ट फ्लाइट और हवा में केमिकल ब्लास्ट की पुष्टि की । प्रोफ़ेसर मणीन्द्र अग्रवाल ने बताया कि कोरोना के कारण इस प्रयोग के कुछ उपकरण अमेरिका में थे जो 2 साल बाद आईआईटी पहुंच पाए और इसके बाद डीजीसीए ने भी परमिशन दी । डीजीसीए की परमिशन के बाद अब इसका सफल प्रयोग किया जा चुका है । आईआईटी कानपुर 2017 से इस प्रोजेक्ट पर काम कर रहा है उत्तर प्रदेश सरकार ने 2018 में क्लाउड सीडिंग परीक्षण की अनुमति दे दी थी लेकिन उपकरण अमेरिका में फस जाने के कारण इसका परीक्षण संभव नहीं हो पाया कृत्रिम बारिश से ज्यादा वायु प्रदूषण और सूखे की स्थिति में बारिश कराकर लोगों को राहत दी जा सकती है ।दिल्ली मुंबई जैसे मेट्रो शहरों में वायु प्रदूषण से लोगों को अब जल्दी ही राहत की सांस मिलने वाली है । प्रोफ़ेसर महेंद्र अग्रवाल ने बताया आईआईटी कानपुर हवाई पट्टी से उड़े सेशना एयरक्राफ्ट जो कि 1 से 2 किलोमीटर ऊपर जाकर बादलों के बीच केमिकल ब्लास्ट करता है इसके बाद क्लाउड सीडिंग होकर बारिश होती है यह सब कुछ आईआईटी कानपुर के ऊपर ही किया गया जिसका परीक्षण सफल रहा इस सफल टेस्टफ्लाइट के नतीजों का आकलन करने के बाद यह तय किया जाएगा आगे इसके और कितनी बार टेस्ट करने हैं।

27 को बूथ गुरु पीएम प्रेरक पाथेय को सुनेंगे वर्चुअल

बीपीएस न्यूज

कानपुर।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भोपाल से मेरा बूथ -सबसे मजबूत अभियान का शुभारंभ करेंगे । भारतीय जनता पार्टी शिक्षण संस्थान प्रकोष्ठ के उत्तर प्रदेश में 100000 बूथ गुरु पार्टी का काम कर रहे हैं । यह बूथ गुरु प्रधानमंत्री के प्रेरक पाथेय को वर्चुअल सुनेंगे। इसकी तैयारी के लिए शिक्षण संस्थान प्रकोष्ठ उत्तर प्रदेश की बैठक संपन्न हुई ।बैठक को संबोधित करते हुए प्रदेश संयोजक डॉक्टर दिवाकर मिश्र ने कहा कि 27 जून को प्रधानमंत्री का प्रेरक उद्बोधन ,2024 में भाजपा को विजय दिलाएगा ।

कालेधन के सिंडिकेट पर आयकर विभाग की बड़ी छापेमारी

2000 के नोट खपाने से रडार पर आए रियल एस्टेट समेत अन्य धंधों में खपाए जाते थे करोड़ो रुपये

कानपुर, 23 जून। कानपुर-लखनऊ में ज्वेलरी कारोबारी और रियल एस्टेट प्रमोटर के ठिकानों पर आयकर की छापेमारी जारी है। कानपुर में 17 जगहों पर छापेमारी चल रही है। इनमें ज्वेलर्स कारोबारी कैलाश अग्रवाल, इनके भाई अमरनाथ अग्रवाल और रियल एस्टेट कंपनी एमरॉल्ड के प्रमोटर शामिल हैं। इसके अलावा लखनऊ, दिल्ली और कोलकाता में भी इनसे जुड़े 38 ठिकानों पर छापेमारी चल रही है।

छापेमारी में 1200 करोड़ के लेनदेन से जुड़े डॉक्यूमेंट सीज

सूत्रों के मुताबिक, अब तक की छापेमारी में 1200 करोड़ के लेनदेन से जुड़े डॉक्यूमेंट सीज किए हैं। इनकी जांच की जा रही है। एक ज्वेलरी कारोबारी की फर्म के टर्नओवर में फेरबदल की बात भी सामने आई है। बताया जा रहा है कि रियल स्टेट कारोबार में बड़ी मात्रा में पैसा खपाया जा रहा था। इसलिए, विभाग एक-एक डॉक्यूमेंट्स की जांच कर रहा है। आयकर की ये कार्रवाई 2-3 दिन चलने का अनुमान है।

सूत्रों के मुताबिक, एक कंपनी के अकाउंट में 2 हजार के नोटों को जमा कराया जा रहा था। विभाग को यह भी पता चला कि 2000 के नोट ऐसे लोग जमा करा रहे थे, जिनके पास पैन कार्ड नहीं था। इसी से आयकर विभाग को सटीक जानकारी मिली। पड़ताल की, तो कानपुर-लखनऊ की कंपनियों के नाम सामने आए। इसके बाद छापेमारी का एक्शन प्लान तैयार किया गया। आयकर विभाग को अंदेशा है कि सिंडिकेट बनाकर रियल एस्टेट समेत अन्य धंधों में ब्लैक मनी को खपाया जा रहा है।

कैश में खरीदा जाता था सोना-चांदी

आयकर की इस कार्रवाई में 300 से ज्यादा अफसर-कर्मचारी लगे हैं। बताया जा रहा है कि इसमें एक प्रोजेक्ट लाया जाता था, जिसके लिए कारोबारी फंड जुटाते थे। इसमें 2 हजार के नोटों को बड़ी मात्रा में खपाया जाता था। सूत्रों के मुताबिक, जिन ज्वेलर्स भाइयों के यहां छापेमारी की गई। वह बुलियन हैं। बैंक से चांदी खरीदकर बाजार में बेचते हैं। सोने का भी व्यापार करते हैं। दोनों भाई ये छोटे कारोबारी कैश में चांदी और सोना खरीदते हैं।

द स्पोर्ट्स हब को देखकर मंत्रमुग्ध हो गए पुलेला गोपीचंद , टीएसएच जैसा स्पोर्ट्स माडल देश भर में लागू होना चाहिए

बीपीएस न्यूज

कानपुर। देश के जाने-माने अंतरराष्ट्रीय बैडमिंटन खिलाड़ी व प्रशिक्षक पदम भूषण और पदम श्री अवार्ड से सम्मानित पुलेला गोपीचंद द स्पोर्ट्स हब में खेल सुविधाओं को देखकर मंत्रमुग्ध हो गए । उन्होंने कहा कानपुर में द स्पोर्ट्स हब जैसा स्पोर्ट्स कंपलेक्स विकसित हो जाने के बाद निश्चित रूप से यहां से खेल प्रतिभाएं निकलेंगी। इस बीच उन्होंने पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि भारत में और उत्तर प्रदेश में प्रतिभाओं की कमी नहीं है।।

द स्पोर्ट्स हब पहुंचने पर पुलेला गोपीचंद का यहां गर्मजोशी के साथ स्वागत किया गया। यहां आने के बाद उन्होंने द स्पोर्ट्स हब के प्रशिक्षकों से परिचय प्राप्त करने के बाद प्रबंध निदेशक पीयूष अग्रवाल और निदेशक प्रणीत व प्रणव अग्रवाल के साथ द स्पोर्ट्स हब का निरीक्षण किया। अपनी दो दिवसीय पाठशाला के पहले दिन उन्होंने द स्पोर्ट्स हब गुरुकुल एकेडमी के ट्रेनी खिलाड़ियों को बैडमिंटन के महत्वपूर्ण टिप्स भी दिए। उन्होंने कहा कि टीएसएच जैसा स्पोर्ट्स मॉडल देशभर में लागू होना चाहिए । यह एक सराहनीय पहल है और इस पहल की जितनी तारीफ की जाए उतनी कम होगी। इधर पत्रकारों से बातचीत करते हुए पुलेला गोपीचंद ने कहा कि देश और उत्तर प्रदेश में प्रतिभाओं की कमी नहीं है । कहा कि भारत के परिणाम अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उल्लेखनीय है । भारत ने थॉमस कप जीतकर पूरी दुनिया में अपनी धाक को कायम किया है ।

उन्होंने कहा कि एक सिस्टम बनाए जाने की आवश्यकता है। इस सिस्टम के बाद और ज्यादा प्रतिभाएं उभर कर सामने आएंगी । उन्होंने कहा कि बैडमिंटन के खिलाड़ियों को और ज्यादा पब्लिसिटी मिलनी चाहिए।

मोदी सरकार के 9 साल देश की जनता को समर्पित: मोहम्मद शमशाद मीर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उपलब्धियां और देश के ऐतिहासिक फैसलों से देश में नवयुग आया है। केंद्र की मोदी सरकार के 9 साल में कई ऐतिहासिक कार्य हुए हैं। जिससे देश की आन बान और शान बनी है। मोदी सरकार के 9 साल देश की जनता को समर्पित रहे है। उक्ता बात भाजपा नेता एवं मुस्लिम राष्ट्रीय मंच के सदस्य भारतीय मीर आर्मी मुस्लिम पसमांदा राष्ट्रीय संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष मोहम्मद शमशाद मीर ने कहीं उन्होंने कहा भारतीय मीर आर्मी मुस्लिम पसमांदा राष्ट्रीय संगठन मोदी सरकार के 9 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर पसमंदा समाज के राष्ट्रीय के पीड़ित गरीब मजबूर व्यक्ति के अध्यक्ष मोहम्मद शमशाद मीर के साथ खड़े हैं। मोदी सरकार ने अगवाई में प्रदेश भर में पसमांदा के द्वारा तमाम कल्याणकारी योजनाओं के पसमांदा संवाद कार्यक्रम भी संचालित करेंगे मंगलवार को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष नसीम अहमद ने कहा पीएम नरेंद्र मोदी मैं 24 घंटे जनता के हित के लिए कार्य किया है इसी का कारण है भारत विश्व का अग्रणी राष्ट बनने की दिशा में निर्णायक रूप से आगे बढ़ रहा है राष्ट्रीय महासचिव नौशाद खान उन्होंने कहा कोरोना काल हो या अन्य कोई आपदा का समय रहा हो मोदी सरकार प्रत्येक पीड़ित मजबूर व्यक्ति के साथ खड़ी रही है। मोदी सरकार ने तमाम कल्याणकारी योजनाएं संचालित करके प्रत्येक वर्ग के व्यक्ति को लाभ पहुंचाने का काम किया है।

उनके इच्छाशक्ति के बदौलत है आज देश दिनो दिन तरक्की कर रहा है। जिसका नतीजा आज हिंदुस्तान का पसमांदा मुसलमान भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ खड़ा है। प्रदेश सचिव जावेद अख्तर के द्वारा बताया गया कि अल्पसंख्यक मोर्चा के उत्तर प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष जनाब कुंवर बासित अली जी ने निकाय चुनाव में पसमांदा समाज पर जो मेहनत की है उससे आज भारत देश का मुसलमान भारतीय जनता पार्टी के साथ खड़ा है।राष्ट्रीय अध्यक्ष मोहम्मद शमशाद मीनिंग सभी पदाधिकारियों से अपील करते हुए कहा है 2024 की तैयारी शुरू करते हुए मोदी योगी की सरकार कीउपलब्धियों को जनता के बीच पहुंचाने में जुट जाए जिससे कि अधिक से अधिक सीटों के बल पर एक बार फिर केंद्र में मोदी जी को एक बार फिर प्रधानमंत्री बनाया जा सके।राष्ट्रीय अध्यक्ष मोहम्मद शमशाद मीर ने जानकारी देते हुए बताया मोदी सरकार के 9 वर्ष सफलतापूर्वक पूर्ण पर भारतीय मीर आर्मी मुस्लिम पसमांदा राष्ट्रीय संगठन संगठन के बैनर तले राष्ट्रीय अध्यक्ष मोहम्मद शमशाद मीर की अगवाई में मुस्लिम पसमांदा संवाद कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा जिसका आगाज जुलाई के स्टार्टिंग से पश्चिम उत्तर प्रदेश में किया जाएगा।

बलिया जिला अस्पताल में 11 और मरीजों की मौत, पांच दिनों में मृतकों की संख्या 68 हुई

बलिया जिला अस्पताल में भर्ती 11 और मरीजों की सोमवार को मौत हो गयी।

इसके साथ ही पिछले पांच दिनों में इस अस्पताल में मरने वालों की संख्या बढ़कर 68 हो गयी है।बलिया के मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) जयंत कुमार ने कहा, पिछले 24 घंटों में कुल 178 नये रोगियों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जिनमें से 11 की मौत हो गई है। जिनकी मौत हुई है वे विभिन्न बीमारियों से पीड़ित थे।हालांकि, कुमार ने कहा कि रविवार तक जिले में लू से सिर्फ दो लोगों की मौत हुई है। सीएमओ ने मौत के मूल कारण पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया।उन्होंने कहा कि अस्पताल में भर्ती मरीजों के लिए हर संभव इंतजाम किए गए हैं। इस बीच, जिला अस्पताल में संदिग्ध रूप से गर्मी के कारण बड़ी संख्या में हुई मौतों की वजह का पता लगाने के लिए लखनऊ से जिले में भेजी गई स्वास्थ्य विभाग की टीम ने सोमवार को विभिन्न क्षेत्रों का निरीक्षण किया। निदेशक (संचारी रोग) डॉक्टर ए. के. सिंह और निदेशक (चिकित्सा) के. एन. तिवारी की दो सदस्यीय समिति ने जिले के बांसडीह क्षेत्र का दौरा किया, जहां सबसे ज्यादा मौतें हुई हैं।इन अधिकारियों ने जिला अस्पताल का भी औचक निरीक्षण किया। मौतों की संख्या में बढ़ोत्तरी पर तिवारी ने सोमवार को संवाददाताओं से कहा, यह एक संयोग भी हो सकता है, क्योंकि उनमें से ज्यादातर पुरानी बीमारी वाले बुजुर्ग रोगी हैं।

तिवारी ने इस बात से इनकार किया कि भीषण गर्मी के कारण मौतें हो रही हैं। तिवारी ने कहा, हम सभी पहलुओं पर गौर कर रहे हैं कि क्या इन मौतों के पीछे कोई अंतर्निहित सामान्य कारण है। रोगियों से नमूने लिये जा रहे हैं और जांच चल रही है। जिला अस्पताल के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक (सीएमएस) एस. के. यादव ने बताया कि अस्पताल में भर्ती मरीजों की संख्या 400 से अधिक हो गई है। स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया कि जिला अस्पताल के अलावा जिले के सामुदायिक और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में भी पिछले कुछ दिनों में मरीजों की संख्या बढ़ी है।

बच्चे के आधार कार्ड पर छपा उपमुख्यमंत्री का फोटो, स्कूल वालों ने दाखिला भी दे दिया

अगर हम आपको बताएं कि एक बच्चे के आधार कार्ड पर उपमुख्यमंत्री का फोटो लगा है और उसी से उसको स्कूल में दाखिला भी मिल गया तो शायद आप यह जानकर हंस पड़ेंगे. लेकिन यह सच है. बिल्कुल यही मामला सामने आया है महाराष्ट्र के चंद्रपुर जिले के ग्रामीण क्षेत्र चिमूर से. कमाल की बात है कि इस बच्चे का आधार कार्ड मां ने सात साल पहले बनवाया था. तब इस पर तत्कालीन सीएम और मौजूदा डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस का फोटो लग गया. मां ने कई बार चक्कर काटे ताकि फोटो बदलवाई जा सके लेकिन सारी कोशिशें बेकार चली गईं.साल 2015 में सिंदेवाही तहसील के विरव्हा के चिमूर तहसील के शंकरपुर में इस बच्चे का जन्म हुआ था. इसी दौरान शंकरपुर में एक कैंप लगाया गया, जिसमें लोगों के आधार कार्ड बनाए जाने थे. बच्चे का भी इसी अवधि में आधार बनाया गया. मगर जब घर पर आधार कार्ड छपकर पहुंचा तो परिवार के लोगों को यकीन नहीं हुआ. उस पर बच्चे की जगह देवेंद्र फडणवीस की तस्वीर लगी थी.

मां ने कई बार आधार सेंटर के चक्कर काटे. फोटो बदलवाने की कोशिश की. लेकिन मां से कहा गया कि 5 वर्ष की उम्र के बाद ही आधार कार्ड में बदलाव हो सकता है. लिहाजा महिला थक हारकर घर बैठ गई. इसके बाद उसने दोबारा आधार कार्ड को अपडेट कराने के प्रयास किए.

उसने बच्चे के बर्थ सर्टिफिकेट के लिए शंकरपुर ग्राम पंचायत में अप्लाई किया. अब केस ही अजीबोगरीब था इसलिए सुर्खियां बनना तो लाजमी था. अब चिमूर के तहसीलदार ने आधार कार्ड पर छपी फोटो को जल्द से जल्द बदलने के निर्देश दिए.

इसके बाद आधार कार्ड में बदलाव का प्रोसेस शुरू हुआ लेकिन इसमें भी 7 साल लग गए. इस मामले पर शंकरपुर के पटवारी शंकर गुजेवार ने कहा कि उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस का फोटो बच्चे के आधार कार्ड पर लग गया था. आधार कार्ड में तहसीलदार के आदेश के बाद बदलाव कर दिया गया है.

कांवड़ यात्रा के लिए योगी सरकार ने बनाए सख्त नियम, इन चीजों पर लगाया बैन

उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार कांवड़ यात्रा शुरू होने से पहले ही एक्शन में आ गई है और इस बार कांवड़ यात्रा को लेकर सख्त नियम बनाए गए हैं. इस साल सावन का महीना इस साल 4 जुलाई से शुरू होगा और 31 अगस्त तक रहेगा. इस दौरान असामाजिक तत्वों को सांप्रदायिक तनाव फैलाने वाली अफवाहें रोकने के लिए पुलिस व्हाट्सएप ग्रुप और सोशल मीडिया पर नजर रखेगी. इसके साथ ही यात्रा की आवाजाही पर सीसीटीवी और ड्रोन कैमरों से नजर रखी जाएगी.

कांवड़ यात्रा के दौरान 12 फीट से ज्यादा ऊंचाई वाले कांवड़, भाला, त्रिशूल और ऐसे किसी भी तरह का सामान रखने की अनुमति नहीं होगी. इसके साथ ही डीजे कंसोल पर अश्लील गाने बजाने की भी अनुमति नहीं होगी. साथ ही कांवड़ मार्गों पर वाहनों की आवाजाही नहीं होगी. योगी सरकार ने इसको लेकर कुछ जिलों में अधिकारियों को निर्देश जारी कर दिए गए हैं और इनका सख्ती से पालन करने का आदेश दिया है. श्रावण महीने की शुरुआत के साथ शुरू होने वाली कांवड़ यात्रा इस साल प्लास्टिक मुक्त होगी और यात्रा के दौरान सिंगल यूज प्लास्टिक और थर्माकोल के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगा दिया गया है. प्रमुख सचिव शहरी विकास अमृत अभिजात ने कहा, कांवड़ यात्रा को पूरी तरह से प्लास्टिक मुक्त रखा जाएगा. सिंगल यूज प्लास्टिक के साथ-साथ थर्माकोल के उपयोग पर भी प्रतिबंध लगाया जाएगा. स्वच्छता अभियान चलाया जाए और रास्ते में पीने के पानी की व्यवस्था की जाएगी.आयोजन की तैयारियों की समीक्षा करने वाले प्रधान सचिव गृह संजय प्रसाद ने कहा, 'मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को कांवड़ यात्रा की सतत निगरानी के निर्देश दिए हैं, ताकि यात्रा सुरक्षित और शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हो सके. यात्रा जिन जिलों से होकर गुजरेगी, उन सभी जिलों के अधिकारी समन्वय बनाकर काम करें.' प्रसाद ने कहा, 'अंतरराज्यीय और अंतरजिला सूचना प्रणाली को मजबूत किया जाना चाहिए, ताकि किसी भी घटना की जानकारी तुरंत पड़ोसी राज्यों या जिलों के साथ साझा की जा सके.'

इसके साथ ही पुलिसकर्मियों को श्रद्धालुओं के साथ शालीनता से पेश आने का निर्देश दिया गया है. अधिकारी ने कहा कि उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा और राजस्थान के अधिकारियों को कांवड़ शिविरों और सामुदायिक भोज (भंडारों) की अनुमति देने से पहले कांवड़ संघों से बातचीत करने के लिए कहा गया है. प्रसाद ने कहा कि जिला प्रशासन के अधिकारी कांवड़ियों को सुरक्षा और जरूरी सुविधाएं मुहैया कराएं.

संजय प्रसाद ने कहा कि एंटी-वेनम और एंटी-रेबीज वैक्सीन को चिकित्सा शिविरों में स्टोर किया जाना चाहिए. रास्तों में शौचालय व स्नानागार की व्यवस्था होनी चाहिए. अप्रिय घटना को रोकने के लिए घाटों पर बैरिकेडिंग की जानी चाहिए. उन्होंने कहा कि महिला कांवड़ियों की संख्या में वृद्धि को देखते हुए प्रशासन को यात्रा के दौरान उन्हें बेहतर सुविधाएं और सुरक्षा प्रदान करने की व्यवस्था करनी चाहिए. इसके साथ ही जिले में कोई बड़ा आयोजन या परीक्षा हो तो स्थानीय अधिकारी तत्काल राज्य सरकार को सूचित करें. पश्चिमांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करे.

अधिकारी के घर छापा मारने आयी पुलिस, पत्नी ने नोटों से भरी तीन बोरी पड़ोसी के छत पर फेंकी, 3 करोड़ जब्त

भुवनेश्वर। ओडिशा पुलिस ने एक सरकारी अधिकारी के घर पर छापेमारी की। ओडिशा पुलिस ने छापेमारी के दौरान तीन करोड़ रुपये से ज्यादा की नकदी बरामद की है। ओडिशा पुलिस को लंबे समय से अधिकारी की गतिविधियों को लेकर शक था। पुलिस ने जब अचानक अधिकारी के परिसरों पर छापामारी की तो अधिकारी के पत्नी ने पुलिस की रेड से बचने के लिए नोटों से भरे तीन कट्टे अपने पड़ोसी की छट पर फेंक दिए।अधिकारियों ने शुक्रवार को बताया कि सतर्कता शाखा ने ओडिशा प्रशासनिक सेवा (ओएएस) के अधिकारी प्रशांत कुमार रौत के भुवनेश्वर स्थित घर और अन्य ठिकानों पर छापेमारी के दौरान बड़ी मात्रा में नकदी बरामद की है। रौत नबरंगपुर जिले में उप कलेक्टर के तौर पर तैनात हैं।

अधिकारियों के मुताबिक, जब सतर्कता शाखा के अधिकारी आरोपी अफसर के यहां कनान विहार स्थित घर पहुंचे, तो उनकी पत्नी ने नकदी से भरे छह गत्ते पड़ोसी की छत पर फेंक दिए और उनसे रकम छिपाने के लिए कहा।उन्होंने बताया कि बाद में पड़ोसी के घर से सभी गत्तों को बरामद कर लिया गया और नकदी को गिनने के लिए गणना करने वाली कई मशीनों का इस्तेमाल किया गया।अधिकारियों के अनुसार, रौत के नबरंगपुर आवास से 89.5 लाख रुपये नकद और सोने के ज़ेवरात बरामद किए गए हैं। सतर्कता विभाग की ओर से जारी एक आधिकारिक बयान में कहा गया है, यहराज्य में किसी सरकारी अधिकारी के यहां से सबसे ज्यादा नकद बरामदी का दूसरा मामला है।पुलिस अधीक्षक (सतर्कता) एम. राधाकृष्ण ने कहा, 'हमारे अधिकारियों ने भुवनेश्वर के कानन विहार स्थित उनके आवास पर छापेमारी के दौरान छह डिब्बों में छुपाए गए 2.03 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य के 500 रुपये के नोट और एक बुकशेल्फ़ के पीछे छिपाए गए 10,37,000 रुपये जब्त किए हैं। इसके अलावा नबरंगपुर में उनके आधिकारिक आवास पर दो स्थानों से 76.44 लाख रुपये और 12.88 लाख रुपये बरामद किए गए। सुंदरगढ़ सतर्कता अदालत के विशेष न्यायाधीश द्वारा जारी सर्च वारंट के आधार पर ओडिशा सतर्कता की नौ टीमें शुक्रवार को नबरंगपुर, भुवनेश्वर और भद्रक में नौ स्थानों पर एक साथ छापेमारी कर रही हैं। एक बार जांच पूरी हो जाए तो हम अतिरिक्त उप-कलेक्टर द्वारा जमा की गई संपत्तियों की संख्या बता पाएंगे।अप्रैल 2022 में, हमने कार्तिकेश्वर राउल की संपत्तियों पर छापेमारी के दौरान 3.41 करोड़ की नकदी बरामद की थी। वह गंजम जिले में लघु सिंचाई प्रमंडल में सहायक अभियंता के तौर पर तैनात थे।'

आश्रम की चारदीवारी में रेप, बाहर निकलने पर लगाई रोक

आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम से ओटीटी पर मशहूर वेब सीरीज 'आश्रम' की कहानी जैसा मामला सामने आया है. 'आश्रम' वेब सीरीज में आश्रम का संचालक लड़कियों का सोशन करता था, उन्हें प्रताड़िता करता था और बाहर की दुनिया से उन्हें दूर रखता था. ऐसा ही मामला यहां के वेंकोजी पालेम में मौजूद ज्ञानानंद आश्रम से सामने आया है. पीड़ित लड़की ने आश्रम के संचालक के काले कारनामों की पूरी कहानी पुलिस को बताई है और उसके खिलाफ एफआईआर दर्ज करवाई है.

नाबालिग पीड़िता ने आश्रम के संचालक पूर्णानंद सरस्वती पर यौन शोषण और मानसिक प्रताड़ना का केस दर्ज करवाया है. इस मामले में पुलिस ने आश्रम के संचालक पूर्णानंद सरस्वती को गिरफ्तार कर लिया है और उससे पूछताछ कर रही है. इधर, पुलिस ने पीड़ित लड़की को भी मेडिकल टेस्ट के लिए भेजा है.पुलिस ने बताया कि पीड़ित लड़की ने अपनी शिकायत में आश्रम के संचालक के बारे में कई आरोप लगाए. लड़की ने बताया कि पूर्णानंद ने कई बार उसका यौन उत्पीड़न किया. यहां तक कि उसे मानसिक रूप से भी परेशान किया और आश्रम से बाहर निकलने पर रोक लगा रखा था.

पीड़िता ने बताया कि वो चाहकर भी आश्रम से बाहर नहीं निकल पा रही थी. लेकिन एक बार उसे मौका मिला और वो सीधे विजयवाड़ा तक पहुंच गई. इसके बाद उसने पुलिस स्टेशन में शिकायत की और मामला दर्ज करवाया. पुलिस ने बताया कि लड़की के माता-पिता की मौत हो चुकी है. मां-बाप के नहीं होने पर वो अपनी नानी के यहां रहने लगी थी. इसी दौरान उसकी ननीहाल पक्ष ने उसे आश्रम में भर्ती करवा दिया था. हालांकि, आश्रम में उसके साथ बहुत बुरा हुआ और उसे यौन शोषण का शिकार होना पड़ा. पुलिस मामले की जांच में जुट गई है और आरोपी से पूछताछ कर रही है.

जीभ का ऑपरेशन कराने गए थे, परिवार का आरोप- डॉक्टर ने कर दिया खतना

उत्तर प्रदेश के बरेली से चौंकाने वाला मामला सामने आया है. एक हिंदू कपल प्राइवेट अस्पताल में अपने बच्चे की जीभ का ऑपरेशन कराने पहुंचा था. लेकिन डॉक्टर पर हिंदू बच्चे का खतना कर उसका धर्मांतरण करने का आरोप लगा है. पुलिस के पास पीड़ित परिवार ने शिकायत दर्ज कराई है, जिसके बाद जांच के आदेश दिए गए हैं.

जानकारी के मुताबिक, बच्चे की जीभ का ऑपरेशन कराने के लिए हिंदू परिवार डॉ. एम खान अस्पताल गया था. लेकिन आरोप है कि बिना परिवार को बताए डॉक्टर ने बच्चे का खतना कर दिया. जब यह बात परिवारवालों को पता चली तो उनके होश उड़ गए. उन्होंने अस्पताल में बवाल कर दिया.

मामले की गंभीरता को देखते हुए हिंदू संगठनों के कार्यकर्ता भी अस्पताल पहुंच गए और फिर घंटों तक वहां हंगामा चला. इस दौरान किसी ने पुलिस को जानकारी दे दी. अस्पताल पहुंचकर पुलिस ने लोगों को समझा-बुझाकर शांत कराया और जांच के आदेश दे दिए.

परिवारवालों का आरोप है कि वह अस्पताल बच्चे की जीभ का ऑपरेशन (तुतना कटवाने) कराने गए थे. लेकिन बिना जानकारी दिए डॉक्टर ने उसका खतना कर दिया. परिवार ने डॉक्टर पर जानबूझकर ऐसा करने का आरोप लगाते हुए कार्रवाई करने की मांग की है.

इस मामले पर आरोपी डॉक्टर मोहम्मद जावेद खान ने कहा कि पिछले रविवार को माता-पिता बच्चे को लेकर आए थे. उसको यूरिन इन्फेक्शन था. उनको सोमवार को आना था लेकिन वह शुक्रवार को आए. उनकी रजामंदी लेकर ही सर्जरी की गई थी. बाद में उन लोगों ने कहा कि हम सर्जरी कराने नहीं आए. परिवार के लगाए आरोप गलत हैं. दूसरी ओर बच्चे के पिता ने कहा कि सब इंग्लिश में लिखा था, जो हमें पढ़ना नहीं आता था. पुलिस अब मामले की जांच में जुट गई है और तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी.

800 रुपये वाले ओयो के कमरे में शादीशुदा औरत के साथ पकड़े गये, आप विधायक

21 जून 2023 को एक विवाद खड़ा हो गया, जब एक खबर सामने आयी जो हैरान कर देने वाली थी। रिपोर्टों में दावा किया गया कि विसावदर का प्रतिनिधित्व करने वाले आम आदमी पार्टी (आप) के विधायक भूपत भयानी को एक होटल (ओयो होटल के कमरे) के कमरे में एक विवाहित महिला के साथ पकड़े गये थे। महिला का पीछे उसके पति कर रहा था जैसे ही महिला का पति होटल पहुंचा।विधायक जी होटल से भाग गये। घटना सूरत के कडोदरा इलाके के सूरज होटल में हुई। इसके अलावा, एक सीसीटीवी वीडियो में कथित तौर पर विधायक और महिला को होटल के रिसेप्शन पर चेक इन करते हुए दिखाया गया है। घटना तब सामने आई जब विधायक महिला के साथ सूरत शहर के पास कडोदरा के एक होटल में गए। रिपोर्ट में वायरल सीसीटीवी वीडियो में कैद शख्स की पहचान आम आदमी पार्टी विधायक भूपत भयानी के रूप में की गई है। यह आरोप लगाया गया था कि भयानी को विवाहित महिला के साथ एक कमरे में प्रवेश करते देखा गया था, जिससे उनके बीच घनिष्ठ संबंध का पता चलता है।

एक अन्य रिपोर्ट में कहा गया है कि भूपत भयानी ने कथित तौर पर 800 रुपये में कमरा किराए पर लिया था। रिपोर्ट के अनुसार, विधायक ने इस विवाहित महिला के साथ होटल के कमरे में लगभग 50 मिनट बिताए। हालाँकि, जब महिला का पति होटल पहुंचा और अपने मोबाइल फोन पर एक वीडियो रिकॉर्ड करना शुरू कर दिया, तो भयानी को अपना चेहरा रूमाल से छिपाकर भागने के लिए मजबूर होना पड़ा।

आरोपों के अनुसार, महिला के पति ने अपने वैवाहिक जीवन को बचाने के प्रयास में पुलिस में शिकायत दर्ज कराने से परहेज किया। इसके अलावा खबर है कि उन्होंने अभी तक रिकॉर्ड किए गए वीडियो को सार्वजनिक नहीं किया है।

भगवान शिव बने युवक को गले में लटके सांप ने काटा, शव छोड़कर भाग गए मंडली वाले

बिहार के मधेपुरा से हैरतअंगेज मामला सामने आया है. मधेपुरा जिला के मुरलीगंज दुर्गा स्थान मंदिर परिसर में बुधवार देर रात अष्टयाम के दौरान भगवान शिव बने शख्स को उसके गले में लटके सांप ने डस लिया. मौके पर ही युवक ही मौत हो गई. मृतक की उम्र 30 साल थी. घटना के बाद से उसका परिवार सदमे में है.बताया जा रहा है कि मुरलीगंज दुर्गा मंदिर परिसर में अष्टयाम पर भजन कार्यक्रम चल रहा था. इस दौरान भोले नाथ बने युवक के गले में सांप को लटका दिया था ताकि स्थानीय भक्त आनंद ले सकें. तभी युवक के गले में लटके जहरीले सांप ने उसे डस लिया, जिसके बाद आनन-फानन में आयोजक समेत भजन मंडली के लोगों ने झाड़-फूंक करवाया लेकिन अंधविश्वास के कारण युवक की मौत हो गई. बाद में लोगों ने युवक को पास के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां से उसे मधेपुरा मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया लेकिन रास्ते में युवक ने दम तोड़ दिया.इसके बाद आयोजक समेत भजन कीर्तन मंडली के लोग शव को मुरलीगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में छोड़कर फरार हो गए. जब डॉक्टर लालबहादुर ने देखा कि युवक का शव पड़ा हुआ है तो पुलिस को सूचना दी गई. हालांकि पुलिस मामले की तफ्तीश में जुटकर आयोजक और कीर्तन भजन मंडली के लोगों की तलाश कर रही है. वहीं शव की पहचान कुमार खंड थाना क्षेत्र के खुर्दा गांव के रहने वाले 30 वर्षीय मुकेश कुमार के रूप में हुई है.इस मामले को लेकर डॉक्टर लाल बहादुर ने बताया कि मेरे यहां युवक को भर्ती करवाया गया था. हमने तुरंत उसे मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया था. लेकिन रास्ते में जब युवक ने दम तोड़ दिया तो मंडली वाले शव को यहां छोड़कर फरार हो गए, जिसके बाद हमने पुलिस को सूचना दी. पुलिस शव को कब्जे में लेकर जांच कर रही है.

भालू ने निकाल ली आंख, फिर भी लड़ता रहा बुजुर्ग, घायल होकर 2 किमी चला....

कर्नाटक के उत्तर कन्नड़ जिले में गुरुवार को 70 साल के बुजुर्ग पर जंगली भालू ने हमला कर दिया. शख्स ने हिम्मत से भालू का सामना किया और उसकी जान बच गई. हालांकि, उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है और उसका बेलगावी के एक अस्पताल में इलाज चल रहा है. घायल बुजुर्ग का नाम विट्ठू शलाके है और वह महाराष्ट्र का रहने वाला है.यह घटना उस वक्त हुई जब शलाके जंगल में पैदल चलकर रामनगर से टिंबोली गांव जा रहे थे. इसी दौरान भालू ने शालके पर हमला कर दिया. इस हमले में भालू ने बुजुर्ग की एक आंख निकाल दी और दूसरी को घायल कर दिया. हालांकि, वृद्ध ने हिम्मत दिखाई और चीखते-चिल्लाते हुए भालू के चंगुल से भागने में सफल रहा.

भालू जब बुजुर्ग को छोड़कर जंगल में भाग गया, तब वह खून से लथपथ होने के बावजूद करीब दो किलोमीटर तक पैदल चला. रामनगर अस्पताल में फर्स्ट ऐड के बाद शलाके को बेलगावी के एक अस्पताल में ट्रांसफर कर दिया गया.रामनगर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है. इस बीच, हमले से क्षेत्र के लोगों में भय और चिंता पैदा हो गई है. वन अधिकारियों ने भी लोगों को भालू के हमलों से बचने के लिए निवारक उपाय शुरू करने के लिए क्षेत्र में स्थिति का आकलन किया है.बीते दिनं भी ऐसा एक मामला मध्य प्रदेश से सामने आया था. उमरिया जिले के बांधवगढ़ बाध अभयारण्य में मंगलवार को भालू के हमले में 48 साल की एक महिला की मौत हो गई थी. मृतका की पहचान चिल्हारी निवासी टेग्गी बाई यादव (48) के रूप में हुई थी. पतौर वन परिक्षेत्र के रेंजर अर्पित मेराल ने कहा था कि महिला अन्य लोगों के साथ महुआ बीनने के लिए जंगल गई थी, लेकिन वह रास्ता भटक गई और बांधवगढ़ बाध अभयारण्य के कोर जोन में चली गई.उन्होंने कहाथा कि हो सकता है गर्मी के कारण पानी पीने वह उस जगह चली गई जहां पार्क क्षेत्र में जानवरों के पानी पीने का इंतजाम किया गया है. उसी वक्त भालू से इसका आमना सामना हो गया और उसने उस पर हमला कर दिया हो, जिससे उसकी जान चली गई. मेराल ने बताया था कि मौके पर भालू के पंजों के निशान भी पाए गए हैं.

सिनेमा की पटरी पर भी दौड़ती रही हैं कहानियां

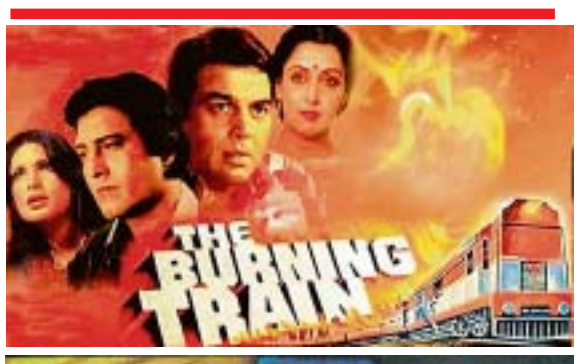

उड़ीसा के बालासोर में पिछले दिनों हुए रेल हादसे ने पूरे देश को झकझोर दिया। हादसों के बावजूद पहिये कभी थमते नहीं हैं। माना जाता है कि रेलों में रोज एक छोटा-सा भारत सफर करता है। रेल केवल पटरी पर ही नहीं दौड़ती, हिंदी फिल्मों में भी यही रेल फिल्म की कहानी और अलग-अलग सिचुएशन का महत्वपूर्ण अंग बनकर दिखाई देती है। लेकिन, हिंदी फिल्मों में हादसों पर चंद फ़िल्में ही बनीं। याद किया जाये तो 1980 में रवि चोपड़ा के निर्देशन में बनी 'द बर्निंग ट्रेन' अकेली फिल्म थी, जिसकी कहानी ट्रेन हादसे पर केंद्रित थी। उसके बाद आज चार दशक बाद भी किसी निर्माता ने ट्रेन हादसे पर कभी फिल्म नहीं बनाई। जबकि हॉलीवुड में इस विषय पर कई फ़िल्में बन चुकी हैं। अलबत्ता हिंदी फिल्मों में ट्रेन एक ऐसा रोचक माध्यम रहा, जिसे अकसर फिल्माया जाता रहा।

सुपरफास्ट ट्रेन और साजिश की कहानी

'द बर्निंग ट्रेन' में विनोद खन्ना, धर्मेंद्र, हेमा मालिनी, जितेंद्र, परवीन बॉबी और डैनी जैसे कई बड़े कलाकारों ने काम किया था। फिल्म की कहानी पहली बार पटरी पर उतरने वाली सुपरफास्ट ट्रेन पर आधारित थी, जिसके पहले सफर में ही उसमें एक साजिश के तहत आग लग जाती है। ट्रेन में बैठे सैकड़ों यात्रियों की जान बचाने के लिए कई उपाय किए जाते हैं, तब ट्रेन को सुरक्षित रोका जाता है। लेकिन, यह फिल्म बहुत ज्यादा पसंद नहीं की गई।

प्लेटफॉर्म पर कहानियों के दृश्य

सनेमा के पर्दे पर रेल कई बार कहानी का महत्वपूर्ण हिस्सा रहा। चाहे आदित्यचोपड़ा की 'मोहब्बतें' का शुरुआती दृश्य हो या श्याम बेनेगल की कला फिल्म 'मम्मोह' में फरीदा जलाल की भारत से पाकिस्तान की मर्मस्पर्शी विदाई का, रेल हर जगह मौजूद रही! दर्शकों के दिलों को धड़काने वाली फिल्मों में रेल और उसका प्लेटफार्म प्रेम, द्वेष, मिलन, रहस्य, रोमांच, अपराध, मिलन-जुदाई के साथ आंसू और मुस्कान जैसी भावनाओं को शिद्दत के साथ सेल्यूलाइड पर उकेरता रहा है। भारत के विभाजन की त्रासदी को एमएस सथ्यू की फिल्म 'गर्म हवा' में बखूबी से दर्शाया गया था। अमिताभ बच्चन की फिल्म 'नास्तिक' में भी विभाजन की त्रासदी को दर्शाने के लिए ट्रेन को बतौर प्रतीक लिया गया, तो सनी देओल की फिल्म 'गदर -एक प्रेम कथा' में भारत-पाकिस्तान के बंटवारे के कारण रेलवे प्लेटफार्म और चलती ट्रेन में हिंसा के दृश्यों ने दर्शकों में सिहरन पैदा कर दी थी। जबकि, सलमान खान की 'बजरंगी भाईजान' में इसी रेल ने दो पड़ोसी मुल्कों के संबंधों को दिखाया था।

रेल में स्टंट ब्लैक एंड व्हाइट के ज़माने से

साल 1934 में आई 'तूफान मेल' में पहली बार चलती ट्रेन में स्टंट दृश्य फिल्माए थे। उस सदी के पांचवें दशक में जब नाडिया हंटर लेकर जब ट्रेन की छत पर खलनायकों को पीटती थी, तो सिनेमा हाल तालियों और सीटियों से गूंज जाता था। चलती ट्रेन में स्टंट के लिए दिलीप कुमार की 'गंगा जमुना' का रेल डकैती सीन बहुत ही रोमांचक था। सलीम जावेद ने इस दृश्य को उलट-पुलटकर 'शोले' में शामिल किया था। बोनी कपूर की फिल्म 'रूप की रानी चोरों का राजा' में विदेशी स्टंट डायरेक्टर की मदद से चोरी का दृश्य फिल्माया गया था। इसी तरह जंजीर, दीवार, दो भाई, सन आफ सरदार, विधाता और द ट्रेन में रेल का रोमांचक उपयोग किया गया था।

शीर्षकों में रेल

रेल को शीर्षक बनाकर जो फिल्में बनी उनमें शम्मी कपूर और सुनील दत्त की पहली फिल्म रेल का डिब्बा और रेलवे प्लेटफार्म के अलावा द ट्रेन, ट्रेन टू पाकिस्तान, द बर्निंग ट्रेन, तूफान मेल, चेन्नई एक्सप्रेस, स्टेशन मास्टर और एक चालीस की लास्ट लोकल चर्चित हैं। ज्यादातर फिल्मों में रेल का डिब्बा नायक-नायिका की नोक-झोंक या सौम्य मिलन और फिर प्रेम के पनपने का कारण बनता रहा है। राजेंद्र कुमार की मेरे महबूब, जितेंद्र की मेरे हुजूर, राजेश खन्ना की 'आराधना' से लेकर शाहरुख खान की 'चमत्कार' और 'चेन्नई एक्सप्रेस' तक यह परंपरा लगभग सभी नायकों ने निभाई। 'पाकीजा' में ट्रेन का वह दृश्य यादगार बना जिसमें राजकुमार सोती हुई मीना कुमारी के खूबसूरत पैरों पर फिदा होकर संदेश छोड़ जाते है 'आपके पांव देखे... बहुत खूबसूरत हैं। इन्हें जमीन पर न रखिएगा, मैले हो जाएंगे!' इसी फिल्म केगीत 'चलते-चलते कोई' के अंत में रेल की सीटी का बेहतरीन प्रयोग किया गया था।

दृश्य जो यादगार बन गए

जुदाई की त्रासदी से दर्शकों का दिल चीर देने वाले रेल दृश्यों में राज कपूर की 'तीसरी कसम' और कमल हसन की 'सदमा' भुलाए नहीं भूलते। इसी तरह 'दिल वाले दुल्हनिया ले जाएंगे' के अंतिम दृश्य में रेल से जा रहे शाहरुख से मिलने के लिए काजोल का हाथ छोड़ते हुए अमरीश पुरी का कहना 'जा सिमरन जी ले अपनी जिंदगी' यादगार संवाद बन गया। कुछ फिल्में और हैं जिनकी कहानी को आगे बढ़ाने में रेल का योगदान है। 'दो उस्ताद' में राज कपूर और शेख मुख्तार रेल के कारण एक-दूसरे से बिछुड़ जाते हैं, तो 'हेरा-फेरी' में सलीम-जावेद ने इसी की नकल करके अमिताभ और विनोद खन्ना को मालगाड़ी के माध्यम से जुदा किया था।

देव आनंद की रेल से मोहब्बत

कुछ कलाकार ऐसे हैं जिन्हें रेल से ज्यादा ही प्यार था। देव आनंद भी ऐसे ही कलाकार थे। उन्होंने फिल्म जब प्यार किसी से होता है में 'जिया हो जिया ओ जिया कुछ बोल दो', सोलहवां साल में 'है अपना दिल तो आवारा' और काला बाजार में 'ऊपर वाला जानकर अनजान है' गाकर दर्शकों को गुदगुदाया था। जितेन्द्र ने मेरे हुजूर फिल्म में 'रुख से जरा नकाब हटाओ', राजेश खन्ना ने आराधना में 'मेरे सपनों की रानी कब आएगी तू' और अजनबी में 'हम दोनों दो प्रेमी दुनिया छोड़ चले' गाया है। फिल्म अजनबी में तो राजेश खन्ना स्टेशन मास्टर भी बने थे। शम्मी कपूर ने विधाता में दिलीप कुमार के साथ रेल ड्राइवर बनकर 'हाथों की चंद लकीरों' को पटरी पर दौड़ाया था।

फिर याद आई मधुबाला की

आज भी सुंदरता की किसी भी चर्चा में बीते दौर की अभिनेत्री मधुबाला का नाम स्वाभाविक तौर पर लिया जाता है। वैसे आज यह चर्चा काफी बेमानी हो चुकी है जबकि पुराने दौर में कई फिल्म पत्रिकाएं बहुत जोर-शोर से ऐसी चर्चा आयोजित करती थीं। तब मधुबाला को ही सर्वसम्मति से सबसे ज्यादा सुंदर कहा जाता था। तब से अब तक मीना कुमारी, वहीदा रहमान, वैजयंती माला, नर्गिस, पद्मिनी, गीता बाली आदि तारिकाओं का नाम भी सम्मानजनक ढंग से लिया जाता रहा है। क्योंकि मधुबाला के सौंदर्य के सामने भी इन तारिकाओं का एक अलग वजूद था। बावजूद इसके मधुबाला हमेशा अद्वितीय रही।

निर्देशन से दूर गये अजय

अजय देवगन उन चंद हीरो में से हैं, जिनके पास फिल्मों का अभाव कभी नहीं रहता। गत दिनों उन्होंने तब्बू के साथ नीरज पांडे की फिल्म औरों में कहां दम था की काफी शटिंग की। उनकी एक महत्वाकांक्षी फिल्म मैदान जल्द आ रही है। इसके अलावा रोहित शेट्टी की सिंघम-3 की शूटिंग भी जल्द शुरू होगी। वहीं ज्योतिका के साथ साउथ की एक अन्य रीमेक फिल्म की शूटिंग भी वह जल्द आरंभ करेंगे। दूसरी ओर, फिलहाल वह किसी नई फिल्म के निर्देशन के बारे में नहीं सोच रहे हैं। असल में रनवे 34, भोला के बाद से उन्हें भी ऐसा लग रहा है कि निर्देशन के मामले में वह कहीं चूक रहे हैं।

तब्बू का सिनेमा

अभिनेत्री तब्बू इधर नीरज पांडे की फिल्म %औरों में कहां दम था% की शूटिंग कर रहीं है। हमेशा की तरह पिछले दिनों भी उनकी कुछेक अंट-शट फिल्मों को दर्शकों ने खारिज कर दिया। पर इससे तब्बू की ऊंचाई प्रभावित नहीं होती है। असल में वह सिनेमा का कोइ क्लासिफिकेशन नहीं करती हैं। उनके मुताबिक, %ए फिल्म इज इदर ए गुड फिल्म ओर ए बैड फिल्म.....अलग टाइप की फिल्में क्या होती हैं, मुझे नहीं पता। बस फिल्में करते समय मेरे साथ कुछ फैक्टर्स काम करते हैं। वह सब फुलफिल होने पर ही मैं वह फिल्म करती हूं।'

छोटा सा किरदार भी छू जाता है दिल को

राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता अभिनेत्री राजेश्वरी सचदेव बहुमुखी प्रतिभा की धनी कलाकार हैं। वह अभिनेत्री, गायक, नृत्यांगना के साथ ही कार्यक्रम संचालक भी हैं। बचपन में 'सफेद कुंडली' नाटक में भीड़ का हिस्सा नजर आने वाली राजेश्वरी सचदेव ने सोलह साल की उम्र में मराठी फिल्म 'अयात्या घरात घरोबा' में नायिका बनकर आयी थीं। फिर 18 वर्ष की उम्र में श्याम बेनेगल की फिल्म 'सूरज का सातवां घोड़ा' में अभिनय कर हंगामा बरपा दिया था। फिर श्याम बेनगल निर्देशित फिल्म 'सरदारी बेगम' में सकीना का किरदार निभाकर सर्वश्रेष्ठ सह कलाकार के राष्ट्रीय पुरस्कार हासिल कर राजेश्वरी ने अपनी अभिनय क्षमता जता दी थी। अब तक 32 साल के अपने कैरियर में राजेश्वरी सचदेव उत्कृष्ट निर्देशकों व कलाकारों के साथ लगभग चालीस फिल्मों और 14 टीवी सीरियलों में अभिनय कर चुकी हैं। हाल ही में उनकी फिल्म 'चिड़ियाखाना' प्रदर्शित हुई है, जिसमें वे बिहारी सिंगल मदर बिभा के किरदार में है।

मुंतशिर ने जान का खतरा बताया

फिल्म 'आदिपुरुष' के संवाद लेखक मनोज मुंतशिर शुक्ला द्वारा अपनी जान को खतरा बताए जाने के बाद मुंबई पुलिस उन्हें सुरक्षा मुहैया करा रही है। एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने उपनगरीय मुंबई में शुक्ला के कार्यालय के निकट गश्त तेज कर दी है और उनके आवास पर भी पर्याप्त सुरक्षा मुहैया कराई जा रही है। अधिकारी ने कहा, हमें मनोज शुक्ला से एक आवेदन मिला है और हम उन्हें सुरक्षा प्रदान कर रहे हैं, क्योंकि उनकी जान को खतरा है। उन्होंने कहा कि पुलिस खतरे को ध्यान में रखकर जांच कर रही है। उन्होंने कहा कि पुलिस शुक्ला के आवेदन पर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित कर रही है। इससे पहले दिन में, मुंबई पुलिस की एक टीम ने शुक्ला के कार्यालय का दौरा किया और धमकी के बारे में उनसे बातचीत की। अधिकारी ने बताया, ''खतरे की आशंका का आकलन करने के बाद, पुलिस ने मुंतशिर के कार्यालय के पास गश्त तेज कर दी है। उनके आवास पर भी पर्याप्त सुरक्षा प्रदान की जा रही है। इस महीने की 16 तारीख को प्रदर्शित हुई इस बहुभाषी फिल्म के संवाद और भगवान राम एवं भगवान हनुमान सहित अन्य चरित्रों के चित्रण को लेकर तीखी आलोचना की जा रही है। कई दर्शकों और राजनीतिक दल के नेताओं ने पात्रों, विशेष रूप से बजरंग (हनुमान) द्वारा उपयोग की जाने वाली अत्यधिक सरलीकृत की ओर इशारा किया। फिल्म में देवदत्त नाग ने हनुमान की भूमिका निभाई है। उत्तर प्रदेश के विभिन्न हिस्सों में सोमवार को फिल्म के खिलाफ विरोध प्रदर्शन हुए, अयोध्या में संतों ने ''आदिपुरुष'' पर तत्काल प्रतिबंध लगाने की मांग करते हुए कहा कि इसके संवादों से उनका ''खून खौल'' रहा है। शुक्ला ने रविवार को कहा था कि निर्माताओं ने ''कुछ संवादों को संशोधित करने'' का फैसला किया है। उन्होंने कहा था कि संशोधित पंक्तियां इस सप्ताह तक फिल्म में जोड़ दी जाएंगी। बाद में, टी-सीरीज़ ने कहा कि टीम ने जनता के इनपुट को महत्व देने के लिए आदिपुरुष के संवादों में बदलाव करने का फैसला किया है।

शिल्पा की नयी भूमिकाएं

अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी की एक फिल्म आ रही है 'सुखी'। यह फैमिली ड्रामा फिल्म होगी। अपनी पिछली फिल्म 'निकम्मा' की तरह इसमें भी शिल्पा ने ग्लैमरस लुक से थोड़ा परहेज किया। अब शिल्पा ने उम्र की मांग को बहुत अच्छी तरह से समझा है व बोल्डनेस को काफी नियंत्रित किया। वे इन दिनों उनका करेक्टर रोल की तरफ ज्यादा ध्यान है।

मां की दोस्त ने बचपन में नूतन को कहा था बदसूरत

4 जून 1936 में नूतन का जन्म हुआ था। नूतन के फैंस उनकी खूबसूरती पर मर मिटते थे। जो भी नूतन को बड़े पर्दे पर देख लेता था वह एक्ट्रेस पर से अपनी नजरें नहीं हटा पाता था। साल 1950 में अपनी ही मां शोभना समर्थ की फिल्म हमारी बेटीसे नूतन ने फिल्म इंडस्ट्री में कदम रखवा था। बता दें कि आज नूतन की बर्थ एनिवर्सिरी है। बता दें कि जिस एक्ट्रेस नूतन के चेहरे पर लाखों फैंस मर मिटते थे। कभी इसी अदाकार को बचपन में बदसूरत कहा गया था। अपने बारे में ऐसा सुनकर एक्ट्रेस का दिल टूट गया था और वह फूट-फूटकर खूब रोई थीं।

नूतन हिंदी सिनेमा की बेहतरीन एक्ट्रेस में शुमार थीं। उन्होंने अपने फिल्मी करियर में कई हिट फिल्में दी थीं। नूतन को हिंदी सिनेमा के इतिहास की बेहतरीन अभिनेत्रियों के रूप में माना जाता है।

हिंदी सिनेमा की दिग्गज अभिनेत्रियों में शुमार रहीं नूतन ने कई हिट फिल्मों में काम किया है। बता दें कि नूतन बला की खूबसूरत थीं। 4 जून 1936 में नूतन का जन्म हुआ था। नूतन के फैंस उनकी खूबसूरती पर मर मिटते थे। जो भी नूतन को बड़े पर्दे पर देख लेता था वह एक्ट्रेस पर से अपनी नजरें नहीं हटा पाता था। साल 1950 में अपनी ही मां शोभना समर्थ की फिल्म हमारी बेटीसे नूतन ने फिल्म इंडस्ट्री में कदम रखा था। बता दें कि आज नूतन की बर्थ एनिवर्सिरी है।

बता दें कि जिस एक्ट्रेस नूतन के चेहरे पर लाखों फैंस मर मिटते थे। कभी इसी अदाकार को बचपन में बदसूरत कहा गया था। अपने बारे में ऐसा सुनकर एक्ट्रेस का दिल टूट गया था और वह फूट-फूटकर खूब रोई थीं। एक्ट्रेस ने बताया था कि उनको चार साल की उम्र में एक्ट्रेस को बदसूरत कहा गया था। उन्होंने बताया कि उनकी मां की एक दोस्त ने उनको काफी देर तक घूरने के बाद ऐसा लुक दिया कि वह उन्हें पसंद ही नहीं आई थीं।

मां की दोस्त ने नूतन के बारे में कहा कि शोभना आपकी बच्ची कितनी बदसूरत है। हालांकि उस दौरान एक्ट्रेस को समझ नहीं आया था कि उन्हें क्या कहा गया है। लेकिन वह इतना जरूर समझ गई थीं कि जो भी कहा गया है वह उनकी मां के बारे में है और उनके लिए कुछ अच्छा नहीं बोला गया। जब बाद में 4 साल की नूतन ने अपनी मां से उस बात के बारे में पूछा तो शोभना ने नूतन को पूरी बात बताई। जिसके बाद एक्ट्रेस को काफी दुख हुआ था। जिसके बाद एक्ट्रेस की मां ने उनको काफी समझाया तब जाकर नूतन का हौंसला बढ़ा।

बता दें कि नूतन 50-60 के दशक की बेहद टैलेंटेड एक्ट्रेस में शुमार थीं। उन्होंने साल 1951 में नगीना, हम लोग जैसी फिल्मों में काम किया था। वहीं कभी अंधेरा, कभी उजाला, अनाड़ी, सौदागर, बंदिनी, रिश्ते नाते, खानदान जैसी कई यागदार फिल्मों में काम किया था। वहीं साल 1974 में नूतन को भारत सरकार की ओर से पद्मश्री अवॉर्ड से सम्मानित किया गया था। एक्ट्रेस ने अपनी फिल्मी कॅरियर में करीब 70 फिल्मों में काम किया।

पारिवारिक जीवन

11 अक्टूबर 1959 को नूतन नौसेना के लेफ्टिनेंट-कमांडर रजनीश बहल से शादी रचा ली थी। साल 1961 में उन्होंने बेटे मोहनिस को जन्म दिया था। मोहनिस अपनी मां की तरह फिल्म इंडस्ट्री में सक्रिय हैं। नूतन की छोटी बहन तनुजा एक अभिनेत्री थी और उनकी भतीजी काजोल बॉलीवुड की सक्सेजफुल एक्ट्रेस हैं।

मौत

साल 1990 में नूतन के स्तन कैंसर का इलाज किया गया था। साल 1991 में अधिक बीमार होने के बाद उनको इलाज के लिए मुंबई में ब्रीच कैंडी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। वहीं 21 फरवरी 1991 को नूतन ने सदा के लिए इस दुनिया को अलविदा कह दिया था।

आदिपुरुष संवाद पंक्ति पर धार्मिक भावनाओं को आहत नहीं होने देंगे: अनुराग ठाकुर

आदिपुरुष को लेकर चल रहे विवाद पर आखिरकार सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने प्रतिक्रिया दी है। प्रभास-स्टारर को रामायण के चित्रण और विशेष रूप से इसके संवादों के कारण एक बड़ी प्रतिक्रिया मिली। आदिपुरुष को लेकर चल रहे विवाद पर आखिरकार सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने प्रतिक्रिया दी है। प्रभास-स्टारर को रामायण के चित्रण और विशेष रूप से इसके संवादों के कारण एक बड़ी प्रतिक्रिया मिली। दर्शकों ने महसूस किया कि संवादों ने पात्रों का अनादर किया और धार्मिक भावनाओं को आहत किया। अनुराग ठाकुर ने आखिरकार ओम राउत के आदिपुरुष के विवाद पर प्रतिक्रिया दी है। केंद्रीय मंत्री, जो सूचना और प्रसारण मंत्री हैं, उनके अधिकार क्षेत्र में केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (CBFC) है।

विवाद के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा कि सीबीएफसी ने फिल्म के आसपास की जा रही हिंसा पर ध्यान दिया है। उन्होंने यह भी कहा कि अगर लोगों की भावनाएं आहत होती हैं तो वह किसी भी कीमत पर ऐसा नहीं होने देंगे। लेखक और निर्देशक फिल्म के कुछ संवादों को बदलने पर भी सहमत हुए हैं। अनुराग ठाकुर ने खुलासा किया कि वह इसकी देखरेख भी करेंगे। धार्मिक भावनाओं को ठेस नहीं पहुंचेगी, कम से कम उनकी निगरानी में तो बिलकुल नहीं। आदिपुरुष को उसके घटिया वीएफएक्स और क्रंदनीय संवादों के लिए ट्रोल किया गया है, जिनमें से कुछ में मरेगा बेटे, बुआ का बगीचा है क्या और जलेगी तेरे बाप की शामिल हैं। तमाम आलोचनाओं के मद्देनजर, निर्माताओं ने इसे संशोधित करने और इसे फिर से रिलीज करने का फैसला किया है। फिल्म की टीम द्वारा जारी एक बयान में कहा गया है, आदिपुरुष को दुनिया भर में जबरदस्त प्रतिक्रिया मिल रही है और सभी उम्र के दर्शकों का दिल जीत रही है।

India - US Defence:

कितना भरोसेमंद है अमेरिका?

भारत और अमेरिका दोनों देशों का इतिहास कई मामलों में एक सा रहा है। दोनों देशों ने औपनिवेशिक सरकारों के खिलाफ संघर्ष कर अमेरिका ने 1776 में और भारत ने 1947 में आजादी पाई है। लेकिन दोनों देशों के संबंध हमेशा से उतार-चढ़ाव वाले रहे हैं। एक वक्त ऐसा भी आया था जब अमेरिका ने कारगिल युद्ध के दौरान ग्लोबल पोजिशनिंग सिस्टम यानी जीपीएस को ब्लॉक कर भारत के पीठ में छुरा भोंका था।

अमेरिका ने कारगिल युद्ध के वक्त नहीं दी थी जीपीएस सर्विस

ये 1999 के कारगिल युद्ध की बात है। अमेरिका ने भारत को जीपीएस की सर्विस देने से मना कर दिया था। इस वजह से भारत को खुद की नेविगेशन प्रणाली बनाने के लिए मजबूर होना पड़ा।

भारत ने नेविगेशन प्रणाली के सामरिक महत्व को समझा

28 मई, 2013 को, भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने परियोजना के एक हिस्से के रूप में अपने डीप स्पेस नेटवर्क (डीएसएन) के भीतर एक नई सुविधा खोली। देश भर में 21 रेंजिंग स्टेशनों का एक नेटवर्क उपग्रहों के कक्षीय निर्धारण और नेविगेशनसिग्नल की निगरानी के लिए डेटा प्रदान करेगा।

स्वदेशी तकनीक की ताकत

सैटलाइट में पहली बार स्वदेशी रूबिडियम अटॉमिक घड़ी लगी है जो सही तारीख और लोकेशन बताने का काम करेगी। दुनिया में चंद देशों के पास ही ऐसी घड़ी बनाने की तकनीक है। इसे अहमदाबाद की एक कंपनी ने बनाया है।

भारत ने बनाया स्वदेशी नाविक

- भारत अब अमेरिकी जीपीएस से अपनी निर्भरता हटाने के काफी करीब पहुंच गया है।
- भारत ने खुद के उपग्रह आधारित नेविगेशन प्रणाली नाविक को हाल ही में लॉन्च किया है।
- भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के वैज्ञानिकों ने नेविगेशन सैटलाइट को लेकर जा रहे जीएसएलवी रॉकेट के लॉन्च के जरिए दूसरी पीढ़ी के स्वदेशी नेविगेशन सैटलाइट की सीरीज लॉन्च किया।
- यह भारत में और इसके 1500 किलोमीटर इर्दगिर्द के दायरे में सटीक रियल टाइम नेविगेशन सुनिश्चित करता है।
- नाविक के सिग्नल ऐसे हैं कि वे 20 मीटर तक के , दायरे में यूजर की सटीक पोजिशन बता सकते हैं।

स्क्रैप कंप्रेसर में हुआ धमाका, 9 मजदूर घायल, महिला और नाबालिग की हालत नाजुक

बीपीएस न्यूज

कानपुर। जूही राखी मंडी विनोबा नगर में शनिवार को कबाड़ के गोदाम में धमाका हो गया। इसकी चपेट में आने से 9 मजदूर घायल हो गए। इसमें से दो की हालत गंभीर बनी हुई है। घायल मजदूरों को पहले एक निजी अस्पताल में प्राथमिक उपचार कराया गया। इसके बाद हैलट और उर्सला रेफर कर दिया गया। हादसे के पीछे कबाड़ को कंप्रेस करते समय विस्फोटक होने की आशंका है।सूचना पर जूही थाने की पुलिस और फायर ब्रिगेड की गाड़ी मौके पर पहुंची। फायर ब्रिगेड की गाड़ी ने आग पर काबू पाया। जबकि पुलिस और अन्य लोगों की मदद से सभी घायलों को पास के एक निजी अस्पताल में पहुंचाया गया। जहां हालत गंभीर होने के चलते सभी को हैलट व उर्सला रेफर कर दिया गया। धमाके की चपेट में आने से मजदूर गंभीर रूप रूप से झुलस गए। इसमें मीना और नाबालिग रेहान गंभीर रूप से झुलसने के चलते हालत गंभीर बनी हुई है।एडीसीपी साउथ अंकिता शर्मा ने बताया कि बेकनगंज निवासी रिजवान की जूही राखी मंडी विनोवा नगर में कबाड़ का गोदाम है। शनिवार दोपहर कबाड़ को कंप्रेस करने का काम चल रहा था। इस दौरान तेज धमका हो गया। गोदाम में काम कर रही मीना, 16 साल के रेहान, कमल, समर, सिराज, अफसर, पप्पू, अरविंद कुमार और मेराज घायल हो गए। इतनी तेज धमाका था कि आसपास के लोग भी दहशत में आ गए। चीख-पुकार सुन आसपास के लोग भी जमा हो गए।

छात्र को मारी गोली, हालत गंभीर

घाटमपुर, ।जवाहर नगर पश्चिमी मोहल्ला निवासी दिनेश तिवारी ने बताया की वह सेना से रिटायर हैं। वर्तमान मे वह कानपुर मे प्राइवेट नौकरी करके अपने परिवार का भरण पोषण करते है। घर पर उनकी पत्नी मंजू अपने एक 21 वर्षीय बेटा सुंदर और तीन बेटियों के साथ रहती हैं। पिता दिनेश ने बताया की उनका बेटा सुंदर बीएससी फ़ाइनल का छात्र है। शुक्रवार को वह कानपुर निवासी अपनी बहन के यहां से वापस घर आया था। जिसके बाद देर शाम वह दोस्तों के साथ प्रदर्शनी देखने चला गया। युवक के दाएं हाथ में कोहनी के पास लगी गोली, ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने युवक को घायल अवस्था में घाटमपुर सीएचसी पहुँचाया जहां डाक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद युवक को गंभीर हालत मे कानपुर के हैलट अस्पताल रेफर कर दिया गया।

दहेज की मांग दोगुना होने से तनाव से परेशान युवती ने फांसी लगा दी जान

बीपीएस न्यूज

घाटमपुर। पतारा चौकी अंतर्गत प्रतापपुर गांव में एक युवती ने शादी से दो दिन पहले फांसी लगाकर जान दे दी। आरोप है कि जहां युवती की शादी तय हुई थी, वहां दहेज की मांग दोगुना हो गई थी। दहेज दोगुना ना देने पर बरात लेकर ना आने की बात युवती के ससुरालियों द्वारा कही गयी थी। जिससे जहां परिजन दहेज को लेकर परेशान थे, वहीं युवती भी मानसिक रूप से तनाव में थी। शनिवार को जब माता पिता बाजार गए थे और भाई किसी कार्य के चलते घर के बाहर थे। तभी युवती ने घर के अंदर छत मे लगे पंखे के कुंडे मे साड़ी के फंदे के सहारे फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। जब परिजन घर पहुंचे तो देखा कि युवती फांसी के फंदे पर झूल रही है।

सूचना पुलिस को दी गयी, मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। जानकारी के अनुसार प्रतापपुर गांव निवासी राकेश नायक ने बताया कि उसने अपनी पुत्री आरती की शादी एक वर्ष पहले वासुदेव नायक के पुत्र राजेंद्र नायक के साथ तय की थी तथा बयाना के तौर पर 1लाख दिए थे, 27 तारीख को आरती की शादी थी। वही 8 दिन से लड़के पक्ष वाले दहेज के ?3लाख एवं दहेज का सामान घर भिजवाने के लिए कह रहे थे। समान आने के बाद ही बरात लेकर आने की बात कही। इसी बात को लेकर जहां परिजन परेशान थे, वही लड़की भी मानसिक रूप से तनाव में थी। 22 तारीख को एक बार फिर दहेज के समान व 3लाख घर भेजने की बात कही, ना देने पर 27 जून को बरात लाने से इंकार कर दिया। शनिवार को आरती के माता-पिता बाजार गए थे तथा दोनों भाई कुछ काम से बाहर थे, दोपहर 12 बजे लगभग घर के अंदर छत के पंखे में साड़ी से फांसी लगाकर आरती ने जान दे दी। छोटा भाई बॉबी जब घर आया तो देखा कि आरती फांसी के फंदे में झूल रही है। सूचना पर गांव में हड़कंप मच गया और ग्रामीणों की भीड़ मौके में जुट गयी। सूचना पुलिस को दी गयी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम भेजा है। बताया गया कि तहरीर के आधार पर कार्यवाही की जाएगी।.

ट्रैक पार कर रही महिला की ट्रेन की चपेट में आने से मौत

बीपीएस न्यूज -कानपुर। कानपुर के महाराजपुर थाना क्षेत्र में रेलवे ट्रैक पार कर रही महिला ट्रेन की चपेट में आ गई। इस हादसे में महिला की मौके पर ही मौत हो गई। स्थानीय लोगों ने हादसे की जानकारी पुलिस को दी। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने महिला के शव को कब्जे में लेकर शिनाख्त कर घटना की जानकारी परिजनों को दी।मिली जानकारी के अनुसार फतेहपुर जिले के औंग थाना क्षेत्र के परसदेपुर निवासिनी उमा देवी (55) पत्नी स्व. रामऔतार शनिवार को अपने गांव से कानपुर दवा लेने के लिए जा रही था। तभी करबिगवा रेलवे लाइन पार कर रही थी। उसी वक्त अचानक ट्रेन आ गई। इससे महिला ट्रेन की चपेट में आ गई। जिससे महिला की दर्दनाक मौत हो गई। हादसे के बाद लोगों की भीड़ इकट्ठा हो गई है। हादसे की जानकारी लोगों ने फोन द्वारा महाराजपुर पुलिस को दी। सूचना पाकर घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर महिला की शिनाख्त की। घटना की जानकारी परिजनों को दी।

आयकर टीम की कार्रवाई जारी, कारोबारियों के अहम दस्तावेज जब्त, नौकर को बना रखा था डीलर, सर्च ऑपरेशन को बढ़ाया गया

चांदी के दो बड़े कारोबारी के ठिकानों पर भी छापेमारी

बीपीएस न्यूज

कानपुर। ज्वैलरी और रियल एस्टेट कारोबारियों बड़े बुलियन पर तीसरे दिन भी इनकम टैक्स डिपार्टमेंट की कार्रवाई जारी है। शुक्रवार की देर रात तक अधिकारी दस्तावेज, लैपटॉप और लेनदेन से जुड़े लॉगबुक को चेक करने में जुटे रहे। विभाग ने अभी तक 1200 करोड़ से ज्यादा के लेनदेन के संदिग्ध दस्तावेज जब्त किए हैं। शनिवार सुबह आयकर टीम ने छापेमारी में कई करोड़ की नकदी जब्त की है। साथ ही व्यापार और जमीनों के कागजात भी बरामद किए है। हालांकि नकद रुपया कितना मिला है इसकी जानकारी अभी तक अपुष्ट है। सूत्रों के मुताबिक, जांच में पता चला है कि कारोबारी नौकर को डीलर दिखाकर सोना-चांदी की बड़ी मात्रा में खरीद-फरोख्त दिखा रहे थे। साथ ही भारी मात्रा में कैश, सोना-चांदी और रियल एस्टेट में खपाए गए काले धन के कागजात मिले हैं। जिनका अब मिलान कराया जा रहा है। जिसे देख सर्च ऑपरेशन को बढ़ा दिया गया है।बता दें कि कानपुर के 17 ठिकानों समेत लखनऊ, दिल्ली और कोलकाता के 28 ठिकानों पर आयकर विभाग ने बुधवार सुबह 6 बजे एक साथ छापेमारी की थी। कानपुर के बड़े बुलियन और ज्वैलरी कारोबारी कैलाश नाथ अग्रवाल की राधा मोहन पुरुषोत्तम दास ज्वैलर्स प्रा. लि.,उनके भाई अमरनाथ अग्रवाल की राधा मोहन पुरुषोत्तम दास ज्वैलर्स, एमराल्ड के प्रमोटर संजीव झुनझुनवाला के साथ चांदी के दो बड़े कारोबारी के बंगलों पर छापेमारी की गई है। इनकम टैक्स विभाग के सूत्रों के मुताबिक, कारोबारियों की फर्म का फॉर्म-60 चेक किया तो सारा खेल सामने आ गया। पता चला कि फर्म से ऐसे लोगों को सोना और चांदी खरीदे या बेचे गए हैं, जो इनकम टैक्स रिटर्न (आईटीआर) फाइल नहीं कर रहे थे। फॉर्म-60 से पता चला कि एक ही डीलर से बार-बार सोना-चांदी खरीदा जा रहा था।

जब उस डीलर की कुंडली खंगाली गई तो पता चला कि वह कारोबारियों के नौकर हैं। इसी तरह कई अन्य डीलरों की अकाउंट में एंट्री की गई है। अब इनकम टैक्स अधिकारी उनका पता लगा रहे हैं। इसमें दो से तीन दिन का समय लग सकता है।

सिर पर हथौड़ा मारकर मौत के घाट उतारा

बांदा । यूपी के बांदा जिले में प्रेम-प्रसंग में मजदूर की हत्या के मामले में पुलिस ने घटना का खुलासा कर दिया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में उसके शरीर पर 100 से ज्यादा चोट के निशान मिले हैं।बांदा जिले में देहात कोतवाली क्षेत्र के महोखर गांव में प्रेम-प्रसंग के चलते नंद किशोर उर्फ नंदू की हत्या बड़ी ही बेरहमी से की गई थी।पुलिस ने हत्यारोपी दंपती समेत चार लोगों को शनिवार को जेल भेज दिया। महोखर गांव निवासी नंद किशोर उर्फ नंदू (24) की गुरुवार की रात एक बजे गांव में ही हीरालाल वर्मा के घर में लाठी-डंडों और हथौड़े से मारकर हत्या की गई थी। हत्या की वजह हीरालाल वर्मा की मझली बहू से प्रेम प्रसंग बताया गया था। प्रेम-प्रसंग के चलते ही हत्यारोपी पति राजकरन वर्मा के कहने पर संजो ने उसे फोन करके घर बुलाया था। घर पहुंचते ही आरोपपियों ने नंदू के हाथ-पैर रस्सी से बांधकर मुंह में कपड़ा ठूंसकर बेदर्दी से लाठी-डंडों और हथौड़े से पीटा था।हत्या का खुलासा होने पर मृतक के पिता बाबू वर्मा ने हत्यारोपी महिला संजो, उसके पति राजकरन वर्मा, ससुर हीरालाल और जेठ मेवालाल के खिलाफ देहात कोतवाली में हत्या की रिपोर्ट दर्ज कराई थी।

पत्नी ने काटा पति का प्राइवेट पार्ट, लहूलुहान हालत में भागकर बचाई जान

बीपीएस न्यूज

कानपुर। घरेलू विवाद के बाद पत्नी ने 14 जून की रात धारदार हथियार से सोते समय पति के लिंग पर वार कर दिया। लहूलुहान हालत में पति ने भागकर जान बचाई और पुलिस से शिकायत की। पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।बर्रा-8 कच्ची बस्ती वरुण विहार निवासी 35 वर्षीय व्यक्ति नगर निगम में आउटसोर्स पर काम करता है। पीड़ित के अनुसार कुछ समय पहले उसका साला एक युवती को भगा ले गया था। पुलिस केस हुआ, तो उसे व पत्नी को पुलिस ने पकड़ लिया।दोनों ने लिखकर दिया कि उनका इस मामले से कोई लेना देना नहीं है। इसी बीच 14 जून को साला घर आ गया। सूचना मिलने पर उसने पत्नी से नाराजगी जताई। इससे पत्नी गुस्सा हो गई और उसी रात में सोते समय धारदार हथियार से लिंग पर वार कर दिया।

पुलिस ने दर्ज किया मामला, जांच कर होगी कार्रवाई

उसने बताया कि जान बचाकर डॉक्टर से इलाज कराया। स्वस्थ होने पर 23 जून को पुलिस में शिकायत की है। गुजैनी पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि घरेलू विवाद में घटना को अंजाम दिया गया है। मामले की जांच चल रही है।

युवक का शव रामगंगा नहर झाल के पास फंसा पाया गया

बीपीएस न्यूज

कानपुर। सचेंडी थानाक्षेत्र के इटारा गॉव निवासी मजदूर बउअन उम्र 30 वर्ष पुत्र स्व राम गॉव के ही युवक राजा के साथ बीती 20 जून की शाम को 7 बजे सीढ़ी स्टेशन जाने की बात कहते हुए निकला था जब देर रात वो घर नही लौटा तो माँ श्री देवी ने राजा के घर जाकर बेटे के न आने का कारण पूछा तो उसने बताया कि बउअन को वो घर के बाहर ही छोड़कर चला गया।21 जून की सुबह परिजनों द्वारा आस पास के इलाकों में बउअन की तलाश की गई जब उसका कोई पता नही लगा तो 22 जून को सचेंडी थाने में जाकर मृतक बउअन के परिजनों ने गुमसुदगी की तहरीर देते हुए अगली सुबह से ही बउअन की तलाश रामगंगा नहर में करने लगे इधर फतेहपुर जनपद के मुसाफा तक तलाश करने के बाद बउअन का पता नही चला तो शनिवार सुबह फिर से बउअन के परिजन जामू नहर पुल के पास तलाश में जुटे थे तभी राहगीरों ने बताया कि एक युवक का शव नहर झाल के पास फंसा है जिसने नीली टी- शर्ट व कार्गो पैंट पहन रखी है ये सुनते ही नहर झाल पहुंचे बउअन के परिजनों ने जैसे ही शव को देखा तो उनके पैरों तले जमीन खिसक गई उन्होंने की शव की शिनाख्त बउअन के रूप में करते हुए मामले की जानकारी बिधनू पुलिस को देते हुए हत्या की आशंका जतायी है ।

दोस्त की बहन के ससुराल जा रहे युवक का बंबा में मिला शव

बीपीएस न्यूज

घाटमपुर। राठिगांव के पास स्थित बम्बा मे युवक का पड़ा मिला शव ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने युवक के परिजनों को घटना की दी जानकारी मौक़े पर पहुंचे परिजनों ने दोस्त पर हत्या का आरोप लगाया है। पुलिस ने युवक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। वही घटना की जांच पड़ताल मे जुटी है।

घाटमपुर कोतवाली क्षेत्र के रठिगांव स्थित बम्बा में एक युवक का शव बाइक समेत पड़ा मिला है। ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने युवक के शव को बम्बा से बाहर निकाला पर युवक के पास से कोई आईडी प्रूफ नहीं मिला, पुलिस ने बाइक के नंबर से परिजनों को सूचना दी।तब युवक की शिनाख्त फतेहपुर जिले के रसिया गांव निवासी 22 वर्षीय रिजवान पुत्र बेनी के रूप मे हुई। रिजवान बंबई मे प्राइवेट नौकरी करके अपने परिवार का भरण पोषण करता था। रिजवान की शादी बीते चार मई को बहुवा आजाद नगर निवासी शहाना के साथ हुई थी। पत्नी शहाना ने बताया कि बुधवार दोपहर रिजवान अपने दोस्त योगेंद्र के साथ बाइक से उसकी बहन रिंकी की ससुराल टुर्रा गांव जाने को कहकर निकला था। देर रात तक कई बार उन्होंने फोन में किया रिजवान से उनका संपर्क नहीं हो सका। वहीं परिजनों ने योगेंद्र को कई बार फोन किया पर उसका फोन भी नहीं उठा। मौक़े पर पहुंचे परिजनों ने दोस्त योगेंद्र पर हत्या का आरोप लगाया है। पुलिस ने युवक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज कर घटना की जांच पड़ताल में जुटी है।घाटमपुर थानाध्यक्ष विक्रम सिंह ने बताया कि युवक के शव को पी एम के लिए भेजा है। रिपोर्ट के आधार पर विधिक कर्रवाई की जाएगी। घटना की जांच की जारी है।

मेट्रो अंडर पास कार्य के चलते हटाई गई कानपुर सेंट्रल से हटाई गई महापूर्वजों की प्रतिमाएं

कानपुर। कानपुर के गौरवमयी इतिहास को दर्शाने के लिए शहर के सेंट्रल स्टेशन पर खास प्रतिमाओं को स्थापित कराया गया था। इतिहास को दर्शाने वाली यह प्रतिमाएं मिट्टी में मिला दी गई,जो सड़क पर औंधे मुंह पड़ी हुई हैं। सामाजिक संस्था के द्वारा इन्हें सेंट्रल स्टेशन सिटी साइड घंटाघर की तरफ साल 2018 में लगवाया गया था।इन प्रतिमाओं को प्रदर्शित करने का उद्देश्य था, कि कानपुर आने वाले लोग कानपुर के ऐसे लोगों के बारे में जाने, जिन्होंने ऐतिहासिक काम किए हैं। पीपीपी मॉडल से मूर्तियां लगवाने के लिए रेलवे ने भूमि उपलब्ध कराई थी। लेकिन अब इसी स्थान पर मेट्रो अंडरपास का काम किया जा रहा है, जिसकी वजह से इन्हें हटा दिया गया है। कानपुर के गौरवमयी ऐतिहासिक सफर में कई नाम जिन्हें कोई भुला नहीं सकता। इनमें चंद्रशेखर आजाद,हसरत मोहनी और कर्ण की मूर्तियां कानपुर सेंट्रल के सिटी साइड पर सुखधाम उद्यान बनाकर साल 2018 में परिवर्तन नाम की सामाजिक संस्था ने लगवाई थी। लेकिन इन प्रतिमाओं को मेट्रो के निर्माणाधीन कार्य के चलते उजाड़ दिया। ऐसे में मेट्रो के अधिकारियों ने ऐतिहासिक प्रतिभाओं को तवज्जो भी नहीं दी। इन महान पूर्वजों की प्रतिमा सड़क पर पड़ी हुई हैं। रेलवे के अधिकारी डिप्टी सीटीएम डॉ आशुतोष सिंह का कहना है कि इस स्थान पर मेट्रो का अंडरपास का काम किया जा रहा है। इसलिए मूर्तियों को मेट्रो वालों ने ही हटवा दिया है।

पेंटो फंसने से ओएचई तार टूटा, दिल्ली-हावड़ा रूट पर ट्रेनों का संचालन ठप

बीपीएस न्यूज

कानपुर। दिल्ली-हावड़ा रेलमार्ग पर चंदारी रेलवे स्टेशन के पास शुक्रवार देर रात पुरी से नई दिल्ली जा रही पुरुषोत्तम एक्सप्रेस के इंजन का पेंटो ओवर हेड इलेक्ट्रिक यानी ओएचई में फंसने से तार टूट गया। हादसे के बाद दिल्ली-हावड़ा रूट पर ट्रेनों का संचालन ठप हो गया।इससे फतेहपुर की ओर से पीछे आ रहीं व कानपुर सेंट्रल से प्रयागराज जा रही ट्रेनों को रोकना पड़ा। कड़ी मशक्कत कर ओएचई तार जोड़कर रूट बहाल किया जा सका। रेलवे अधिकारियों के अनुसार,शुक्रवार देर रात लगभग 12 बजे पुरुषोत्तम एक्सप्रेस चंदारी रेलवे स्टेशन के पास से गुजर रही थी। अचानक उसके इंजन का पेंटो ओएचई में फंसने से तार टूट गया। इससे ट्रेन को रोकना पड़ा। हादसे के बाद अप व डाउन दोनों ट्रैक ठप हो गए। शनिवार सुबह 5:40 बजे टूटा तार जोड़ा जा सका। इस दौरान रोकी गई ट्रेनों में फंसे यात्री बिलबिला उठे, हंगामा किया व नाराजगी भी जताई। हादसे के कारण रूट की ट्रेनें डेढ़ से साढ़े छह घंटे तक विलंबित हुईं। उत्तर मध्य रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी हिमांशु शेखर उपाध्याय ने बताया कि सुबह गुजरने वाली राजधानी ट्रेनों के साथ ही लंबी दूरी वाली 22 गाड़ियां विलंबित हुईं। तार ठीक करने के बाद सभी को गंतव्य की ओर भेजा गया। वर्तमान में ट्रेनों का संचालन सुचारु है।

घायलों ने की दबंगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग

बीपीएस न्यूज

कानपुर। गीता देवी पत्नी मंसाराम गुप्तार घाट थाना फीलखाना निवासी ने कानपुर प्रेस क्लब में वार्ता करते हुए अपने साथ हुई मारपीट की चर्चा की। गीता ने बताया कि उसका परिवार अनुसूचित जाति (कोरी) का है। वह चौका बरतन करके अपने परिवार का भरणपोषण करती है। 19 जून, को रात लगभग 10 बजे मोहल्ले के ही देवी कश्यप के पुत्र अम्न, अविनाश, व अमर अपने दस बारह साथियों के साथ शराब पीकर जुआ खेल रहे थे और साथ ही भद्दी गालियाँ भी बक रहे थे। इसपर मेरे पति मंसाराम ने समझाते हुए कहा कि रात बहुत हो गई है, गालियाँ न बको यहां भी बहन-बेटियाँ रहती हैं।बस इतनी सी बात पर जाति सूचक गालियां देते हुए मारने लगे, इससे मन नहीं भरा तो ईंट-पत्थर व सरियों से मारपीट कर घायल कर दिया, हम सभी बीच बचाव करने लगे तो बेटी, बेटे व मुझे भी सरियों से मार कर घायल कर दिया। पति के सर पर 17 टांके बेटे के 8 टाँके लगे, उसकी बहन को पटक दिया व अश्लीलता की।रातको ही सभी घायलों को थाने लेकर गई तो पुलिस ने सबका मेडिकल कराया परन्तु प्रथमिकी नहीं दर्ज की। सभी दबंग खुलेआम घूम रहे हैं व जान से मारने की धमकी दे रहे हैं।इनकी मांग है कि सभी दबंगों के विरुद्ध मुकदमा चलाया जाए व कानूनी कार्यवाही की जाए।

श्रीमद् भागवत कथा का अष्टम दिवस रुक्मणी विवाह के साथ सम्पन्न

बीपीएस न्यूज

कानपुर। लक्ष्मी नारायण चैरिटेबल सोसायटी के अंतर्गत संचालित सनराइज इंस्टिट्यूट ऑफ़ इंजीनियरिंग टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट कोरारी अचलगंज प्रांगण में चल रही श्रीमद् भागवत कथा का अष्टम दिवस रुक्मणी विवाह महोत्सव के साथ संपन्न हुआ। वृंदावन धाम से पधारे पंडित दीपक इसका जी महाराज जी ने अष्टम दिवस की कथा का प्रारंभ करते हुए बताया कि भगवान कहते हैं कि हमें दूर के देवताओं की पूजा से पहले अपने घर में विराजमान देवताओं की पूजा करनी चाहिए और हमारे सबसे पास में रहने वाले देवता हमारे माता पिता और गुरु जन है यह बात गोवर्धन चरित्र से स्पष्ट होती है ।महाराज जी ने कथा में आगे बताया कि भगवान चीर हरण लीला के द्वारा नारी की मर्यादा की बात करते हैं उनके अनुसार संसार की किसी भी नारी को कभी भी निर्वस्त्र नहीं होना चाहिए।भगवान दीन दुखियों की सहायता हेतु हमेशा तत्पर रहते हैं इसी क्रम में व्यास जी ने बताया कि भगवान श्रीकृष्ण ने मथुरा में जाकर कंस का वध करते हैं एवं हमारे मन रूपी मथुरा के राजा के रूप में विराजमान होते हैं। भगवान श्री कृष्ण ने अभिमान रूपी कंस को अक्रूर रूपी गुरु के माध्यम से अभिमान रूपी कंस का वध करते हैं और मथुरा वासियों को प्रसन्न करते हैं।

महाराज जी ने बताया कि भगवान श्रीकृष्ण ने संदीपन मुनि के यहां जाकर विद्या का अध्ययन करते हैं और गुरु दक्षिणा के रूप में उनका मृत पुत्र लाकर उन्हें देते हैं। शिष्य को गुरु को दक्षिणा वही देनी चाहिए जो गुरु की इच्छा हो अर्थात शिष्य को सदैव अपने गुरु की इच्छा का पूर्वानुमान लगा लेना चाहिए उद्धव जी और गोपिकाओ का वर्णन करते हुए व्यास जी बताते हैं कि भगवान ने गोपियों को दुखी देखकर उन्हें समझाने के लिए उद्धव जी को भेजा किंतु निराकार प्रेम से अनिभिग्य बनकर वृंदावन आए और प्रेमी बनकर लौटे। गोपी उद्धव संवाद के अंतर्गत प्रेम के विषय में चर्चा करते हुए महाराज जी ने बताया कि प्रेम का लक्षण यह है कि प्रेम करने वाला कभी अपना सुख नहीं देखता है वह सदैव अपने प्रीतम को ही सुखी देख कर ही सुखी होता है । भगवान श्री कृष्ण जी ने महारानी रुक्मणी के निवेदन पर रुकमणी जी का हरण करते हैं और उनके साथ विवाह करते हैं इस अवसर पर कृष्ण और रुक्मणी की झांकी का दर्शन भी भक्तों को कराया गया जिसको देखकर प्रांगण में बैठे सभी भक्तगण प्रसन्न चित्त हो गए। इस अवसर पर संस्थान के चेयरमैन सर रमेश चंद्र शुक्ला सेक्रेटरी अमित शुक्ला एवं ज्वाइंट सेक्रेट्री राजीव शुक्ला वह संस्थान के निदेशक डॉ गौरव श्रीवास्तव व समस्त स्टाफ वह आसपास ग्रामीण के श्वेता गण उपस्थित रहे।

कानपुर में थमी बारिश,उमस ने किया बेहाल

कानपुर।कानपुर में लगातार रुक रुक कर हो रही बारिश अब रुका गई है गई। वही बारिश रुकने के बाद एक बार फिर गर्मी व उमस भी बढ़ने लगी है। जिससे चलते शनिवार को तापमान की शुरुआत 31 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया है। जबकि 1 दिन पहले अधिकतम तापमान सामान्य से 9.3 डिग्री कम होकर 28.4 डिग्री रहा था। वहीं अगर मौसम वैज्ञानिक की माने तो शनिवार को भी हल्की बूंदाबांदी होने की संभावना है।चंद्र शेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के मौसम विज्ञानी डा.एसएन सुनील पांडेय के अनुसार अगर मौसम में तेज धूप बढ़ती है। तो आसमान पर छाए बादल बारिश की वजह बन सकते हैं। सुबह से हवा की रफ्तार भी छह किलोमीटर प्रति घंटा के आसपास बनी हुई है। यह भी वातावरण में गर्मी बढ़ाने की वजह है। मानसून के बादल भी बिहार और पूर्वी भारत की ओर से आ रहे हैं। इनके शनिवार को देर रात्रि तक कानपुर पहुंचने की उम्मीद की जा रही है। ऐसे में कहा जा सकता है कि बारिश का मौसम अभी बना रहेगा।

बी पी एस न्यूज
हिन्दी साप्ताहिक

मुद्रक प्रकाशक स्वात्वाधिकारी बुद्ध प्रकाश साहू द्वारा मां प्रिन्टर्स गार्डेन नं. 6-ए/7 रेल बाजार कानपुर नगर से मुद्रित एवं 344- बगाही भट्ठा टी.पी. नगर कानपुर से प्रकाशित। आर.एन.आई. नं. UPHIN/ 2016/ 66740, डाक पंजीयन सं. कानपुर सिटी 304/2021-2023, सम्पादक बुद्ध प्रकाश साहू व्हाट्सअप 9335908846 मो.: 8423454502 email:bps.knp786@gmail.com info@bpsnews.in www.bpsnews.in नोट-समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र कानपुर नगर न्यायालय होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त लेखों एवं समाचारों की जिम्मेदारी लेखकों व संवाददाताओं की होगी।